mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-9 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
09 अप्रैल 2026 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

40 दिन बाद थमी अमेरिका-ईरान की जंग, 2 हफ्ते के सीजफायर का ऐलान

सीजफायर के ऐलान के बाद ईरान की राजधानी तेहरान में जश्न मनाया गया

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच 40 दिन से जारी जंग के बाद आखिरकार 2 हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ की अपील के बाद लिया गया। सीजफायर से पहले ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी थी कि अगर होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों को सुरक्षित रास्ता नहीं मिला तो वह उसकी पूरी सभ्यता खत्म कर देंगे। उन्होंने अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले की भी धमकी दी थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह डील पाकिस्तान की मध्यस्थता और आखिरी समय में चीन के दखल के बाद संभव हो पाई। पाकिस्तान ने 2 हफ्ते के सीजफायर का प्रस्ताव रखा था जिसे ईरान ने स्वीकार कर लिया। समझौते के तहत अमेरिका और इजराइल अपने हमले रोकेंगे। ईरान भी हमले बंद करेगा। इस दौरान होर्मुज स्ट्रेट से तेल, गैस और अन्य जहाजों की सुरक्षित आवाजाही ईरानी सेना की मदद से सुनिश्चित की जाएगी। इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच 10 अप्रैल को औपचारिक बातचीत पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुरू होगी। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या यह टोल अमेरिकी युद्धपोतों (नेवी के जहाजों) पर भी लागू होगा या नहीं। अमेरिका की नौसेना का 5वां बेड़ा बहरीन में है, जो फारस की खाड़ी के अंदर आता है। यह बेड़ा बहुत बड़े समुद्री इलाके की जिम्मेदारी संभालता है, जिसमें फारस की खाड़ी, ओमान की खाड़ी, लाल सागर और हिंद महासागर के कुछ हिस्से शामिल हैं। सिर्फ होर्मुज ही नहीं बल्कि यह स्वेज नहर और बाब-अल-मंदेब जैसे अहम समुद्री रास्तों पर भी नजर रखता है। ये सभी रास्ते दुनिया के तेल और व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

ईरान की दो शर्तों से मिडिल ईस्ट में अमेरिका की मौजूदगी पर संकट

ईरान ने अमेरिका के साथ हुए युद्धविराम के बाद दो ऐसी मांगें रखी हैं, जिनसे मिडिल ईस्ट में अमेरिकी नौसेना की मौजूदगी पर सवाल खड़े हो गए हैं।

- पहली मांग यह है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से टोल (शुल्क) लिया जाए।
- दूसरी मांग यह है कि अमेरिका अपनी सेना इस इलाके से हटा ले।

ट्रम्प बोले- चीन ने बातचीत के लिए ईरान को तैयार किया

सीजफायर को लेकर ट्रम्प ने कहा है कि चीन ने ईरान को बातचीत के लिए तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। एक टेलीफोनिक बातचीत में उनसे पूछा गया कि क्या चीन ने ईरान को सीजफायर के लिए प्रेरित किया। इस पर ट्रम्प ने कहा, 'हां, मैंने सुना है'। हालांकि, इस मुद्दे पर चीन के विदेश मंत्रालय की ओर से अभी आधिकारिक प्रतिक्रिया आना बाकी है। वहीं, वॉशिंगटन स्थित चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियू पेंगयू ने कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से ही चीन सीजफायर और युद्ध खत्म कराने के लिए काम कर रहा था। उन्होंने कहा कि चीन हर उस प्रयास का स्वागत करता है जो शांति की दिशा में हो और सभी पक्षों को बातचीत के जरिए मतभेद खत्म करने चाहिए।

भारत ने यूएस-ईरान सीजफायर का स्वागत किया

भारत सरकार ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए सीजफायर का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने 8 अप्रैल को जारी बयान में कहा कि यह कदम पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की दिशा में अहम साबित हो सकता है। बयान में कहा गया कि भारत पहले भी लगातार यह जोर देता रहा है कि तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति के जरिए ही इस संघर्ष को खत्म किया जा सकता है।

सरकार ने कहा कि इस जंग से लोगों को भारी पीड़ा झेलनी पड़ी है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति तथा व्यापार नेटवर्क भी प्रभावित हुए हैं। भारत ने उम्मीद जताई कि होर्मुज स्ट्रेट के जरिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार और समुद्री आवाजाही बिना किसी बाधा के जारी रहेगी।

भवानीपुर सीट से ममता बनर्जी ने दाखिल किया नामांकन

असम-केरल और पुडुचेरी में चुनाव प्रचार थमा

तिरुवनंतपुरम/गुवाहाटी/ कोलकाता/चेन्नई, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा सीट से नामांकन भरा। भाजपा ने इसी सीट से सुवेंदु अधिकारी को उम्मीदवार बनाया है। वे नेता विपक्ष भी हैं।

सुवेंदु 2 अप्रैल को नामांकन कर चुके हैं। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह उनके साथ मौजूद थे। भवानीपुर के अलावा ममता और सुवेंदु नंदीग्राम से भी आमने-सामने हैं। 2021 में उन्होंने ममता को यहां से हराया था। वहीं, तमिलनाडु के सीएम स्टालिन करूर और इरोड में आज चुनावी सभा करेंगे। असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को सिंगल फेज में वोटिंग है। इसलिए मंगलवार शाम 5 बजे तीन राज्यों में चुनाव प्रचार थमा।

दिलीप घोष बोले- बंगाल में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं

भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा- लोग के साथ हैं क्योंकि उन्हें यह एहसास हो गया है कि अगर सत्ता में नहीं आई, तो उन्हें काम के लिए इस जगह से पलायन करना पड़ेगा। यहां कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। इस बार बंगाल में बदलाव की लहर है। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद जिला पश्चिम बंगाल पर एक कलंक रहा है। सबसे ज़्यादा नकली आधार और वोटर कार्ड मुर्शिदाबाद में ही पाए जाते हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों की वजह से वहां बार-बार देश-विरोधी गतिविधियां होती रहती हैं।

सुवेंदु अधिकारी ने कहा- मतदाता सूची से मेरा न ही ममता बनर्जी का नाम हटा, तो नाम हटा किसका : पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाबानीपुर और नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्रों से भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी ने कहा- मतदाता सूची से न तो मेरा नाम हटाया गया है और न ही ममता बनर्जी का, तो किसका नाम हटाया गया है।

बिष्णुपुर में हिंसा के बाद तनावपूर्ण शांति, कर्फ्यू में ढील नहीं

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में हिंसा के बाद शांति बरकरार है, लेकिन क्षेत्र में भारी तनाव बना हुआ है। मंगलवार की घटना के बाद से यहां के लोगों में काफी गुस्सा है। दरअसल, मंगलवार को मोइरांग ट्रोंगलाओबी में एक दर्दनाक घटना हुई थी। यहां कुछ संदिग्ध उग्रवादियों ने एक घर पर बम फेंका, जिस समय परिवार घर में सो रहा था। इस हमले में एक पांच साल के बच्चे और उसकी छह महीने की बहन की मौत हो गई, जबकि बच्चों की मां गंभीर रूप से घायल हो गई थी। इस घटना से लोगों में भारी गुस्सा फैल गया। जिसके बाद लगभग 400 लोगों की भीड़ ने सीआरपीएफ के एक कैंप पर हमला कर दिया।भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने गोलियां चलाईं, जिसमें दो प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और करीब 20 लोग घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सुरक्षा बल उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने में नाकाम रहे हैं।

हिंसा की आग आसपास के जिलों तक पहुंची: हिंसा की आग इंफाल ईस्ट और वेस्ट तक भी पहुंच गई है। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर टायर जलाए और पुलिस चौकी में तोड़फोड़ की।

सरकार बोली: कोर्ट धार्मिक परंपरा को अंधविश्वास नहीं कह सकता

● आप एक्सपर्ट नहीं, यह फैसला विधायिका करेगी ● कोर्ट बोला- हमें रिव्यू का पूरा अधिकार

नई दिल्ली, एजेंसी। धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ भेदभाव मामले में सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को दूसरे दिन की सुनवाई जारी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- कोई सेक्युलर अदालत किसी धार्मिक प्रथा को सिर्फ अंधविश्वास नहीं कह सकती, क्योंकि उसके पास ऐसा तय करने की विशेषज्ञता नहीं होती। उन्होंने कहा कि जो चीज नगालैंड के किसी समुदाय के लिए धार्मिक हो सकती है, वही मेरे लिए अंधविश्वास लग सकती है। हमारा समाज बहुत विविधतापूर्ण है, यहां अलग-अलग लोग, धर्म और मान्यताएं हैं। ऐसे में अदालत के लिए ऐसा फैसला देना खतरनाक हो सकता है।

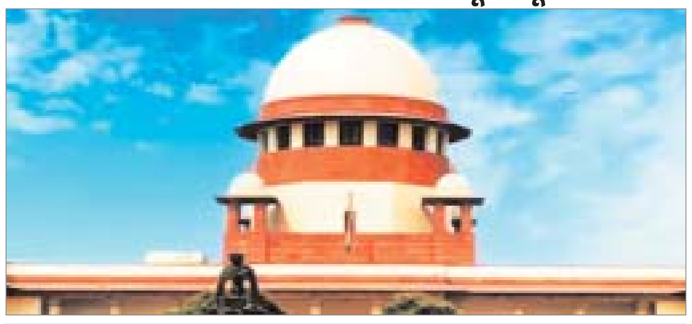

इस पर जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा...

मिस्टर मेहता, आपने बात को बहुत आसान बना दिया है। अदालत के पास न्यायिक समीक्षा का अधिकार है कि वह यह तय कर सके कि अंधविश्वास क्या है। उसके बाद उस पर कानून बनाना या कार्रवाई करना विधानमंडल (संसद-विधानसभा) का काम हो सकता है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि अंतिम फैसला सिर्फ विधानमंडल ही करेगा। धर्म के मामलों में तर्क उसी तरह लागू नहीं किया जा सकता।

खड़गे ने गुजरातियों पर दिए बयान पर खेद जताया: केरलम में गुजरातियों को अनपढ़ कहा था

दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के बाहर महिलाओं का प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को गुजरातियों से जुड़े विवादित बयान पर खेद जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि उनके बयान को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया गया। हालांकि वो अपने शब्दों पर खेद व्यक्त करते हैं।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, खड़गे ने रविवार को केरल के इडुक्की में कहा था कि राज्य के लोग 'पढ़े-लिखे और समझदार' हैं और उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता, जबकि गुजरात और कुछ अन्य जगहों के लोग 'अनपढ़' हैं।उधर, गुजराती समुदाय के लोगों ने खड़गे के बयान को लेकर दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। खड़गे के खिलाफ नारेबाजी की और मांफी मांगने की अपील की।

BJP बोली- राहुल, सोनिया जवाब दें : BJP के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेतृत्व से इस पर जवाब मांगा। उन्होंने राहुल गांधी,

सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से पूछा कि क्या वे खड़गे के बयान से सहमत हैं। प्रसाद ने कहा, 'क्या वे इस बयान से सहमत हैं? अगर राहुल गांधी में समझ है तो उन्हें इस टिप्पणी से दूरी बनानी चाहिए, इसकी निंदा करनी चाहिए और माफी की मांग करनी चाहिए।' गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि खड़गे को माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने साढ़े छह करोड़ गुजरातियों का अपमान ही नहीं किया है, बल्कि महात्मा गांधी और सरदार पटेल की पवित्र भूमि के गौरव को भी ठेस पहुंचाई है।

उत्तराखंड- चारों धाम में बर्फबारी राजस्थान में भी ओले गिरे

म.प्र.में 3 चक्रवात एक्टिव; 7 दिन में वक्त्में आंधी से 15 की मौत

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून, एजेंसी। देश में एक साथ दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होने से मौसम बदल गया है। उत्तराखंड के चारों धाम-केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में बर्फबारी हो रही है। राज्य के सभी जिलों में बारिश हो रही है।राजस्थान के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, नागौर समेत कई जिलों में तूफानी बारिश के साथ ओले भी गिरे। कई जिलों में एक इंच से ज्यादा पानी बरसा। वहीं, भरतपुर जिले में मकान पर बिजली गिरने से सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। बारिश की वजह से तापमान में 7 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है।यूपी के लखनऊ, गोरखपुर, गोंडा, जौनपुर, अलीगढ़ समेत 20 जिलों में आज तेज हवाओं के साथ रुक-रुककर बारिश हो रही है। 9 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट है।

रेत माफिया ने वन रक्षक को ट्रैक्टर से कुचला

मुरैना में अवैध परिवहन रोकने गई थी टीम; मर्डर के बाद रेत खाली की, फिर भागा आरोपी

मुरैना,एजेंसी। मुरैना में रेत माफिया ने अवैध परिवहन पर कार्रवाई करने गई वन विभाग की टीम पर हमला कर दिया। बदमाशों ने वन रक्षक हरकेश गुर्जर को ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुचल दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात दिमनी थाना इलाके में रानपुर गांव चौराहे के पास बुधवार सुबह करीब 6 बजे की है। पुलिस ने बताया कि अवैध रेत परिवहन की सूचना पर वन विभाग की 6 सदस्यीय टीम कार्रवाई करने पहुंची थी। इसी दौरान ड्राइवर विनोद कोरी ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भागने की कोशिश की। वन रक्षक हरकेश गुर्जर रोकने के लिए आगे बढ़े तो विनोद ने उनको कुचल दिया। फिर ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भाग निकला। पास ही बने पेट्रोल पंप के सीसीटीवी कैमरे में आरोपी विनोद कोरी की तस्वीरें कैद हुई हैं। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़, एसपी समीर सौरभ और डीएफओ हरिश्चंद्र बघेल मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों से बात की। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

पुडुचेरी में आज होगा मतदान, सभी तैयारियां पूरी व सुरक्षा व्यवस्था रहेगी चाकचौबंद

पुडुचेरी,एजेंसी। केंद्रशासित राज्य पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए आज यानी गुरुवार को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। इसके लिए शासन और प्रशासन स्तर पर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पूरे प्रदेश के 30 निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 1,099 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं।बुधवार को मतदानकर्मियों को इवीएम सहित अन्य सामान के साथ जीपीएस युक्त वाहनों के माध्यम से मतदान केंद्रों तक रवाना कर दिया गया। उनके साथ पुलिस सुरक्षा और हथियारबंद जवानों को भी भेजा गया है। सुबह उम्मीदवारों और उनके एजेंटों की उपस्थिति में मतदान केंद्र पर सुरक्षित कमरों की सील खोली गई और ईवीएम तथा

नियंत्रण इकाइयों को अलग किया गया। सभी मतदान केंद्रों पर अर्द्धसैनिक बल, पुलिस और चुनाव अधिकारी तैनात किए गए हैं। ईवीएम मशीनों को संबंधित मतदान अधिकारियों को सौंप दिया गया है। सभी मतदान केंद्रों पर वेब कैमरों के माध्यम से नियंत्रण कक्ष से निगरानी की जा रही है।

तय कार्यक्रम के अनुसार कल सुबह 7 बजे से मतदान शुरू होगा और शाम 6 बजे समाप्त होगा। इसके बाद मशीनों को कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना केंद्रों तक लाया जाएगा। जहां इन ईवीएम को सुरक्षित कमरों में सील किया जाएगा। इन सुरक्षित कमरों की 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होगी। इनकी सुरक्षा के लिए अर्द्धसैनिक बलों और पुडुचेरी पुलिस की तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अगले महीने की 4 तारीख को विधानसभा चुनाव के मतों की गिनती की जाएगी।चुनाव के लिए पुडुचेरी क्षेत्र के ईवीएम मशीनों को टैगोर आर्ट्स कॉलेज, मोतीलाल नेहरू पॉलिटेक्निक कॉलेज और महिलाओं का इंजीनियरिंग कॉलेज परिसरो में स्थित मतगणना केंद्रों के सुरक्षित कमरों में रखा गया था। पुडुचेरी केंद्र शासित राज्य के 30 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 1,099 ईवीएम, 1,099 कंट्रोल यूनिट और 1,099 वीवीपैट मशीनों का उपयोग किया जाएगा।

राजस्थान की रिफाइनरी से नहीं निकलेगा कचरा, सबसे आधुनिक भी

पीएम 21 अप्रैल को करेंगे उद्घाटन, 79 हजार करोड़ में बनी

जयपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 अप्रैल को बालोतरा जिले में पचपदरा रिफाइनरी के पहले चरण का उद्घाटन करेंगे। मारवाड़ सहित पूरे राजस्थान के लिए रिफाइनरी के अलग मायने हैं। प्रोजेक्ट से बाड़मेर-जैसलमेर में इंडस्ट्रियल क्लस्टर विकसित होगा। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स व सहायक उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

जनवरी से ही रिफाइनरी के पहले चरण के ट्रायल रन (कच्चे तेल का प्रसंस्करण) की तैयारी शुरू कर दी गई थी। इसमें जल्द कमर्शियल उत्पादन शुरू हो जाएगा। मोदी 2 महीने में दूसरी बार राजस्थान आ रहे हैं। पीएमओ से मंजूरी मिलने के बाद सीएम भजनलाल शर्मा ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करके इस बात की जानकारी दी है।

रिफाइनरी का दो बार हुआ शिलान्यास : पचपदरा रिफाइनरी का शिलान्यास पहली बार 22 सितंबर 2013 को हुआ था। उस समय तत्कालीन यूपीए की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने रिफाइनरी का शिलान्यास किया था। प्रदेश में अशोक गहलोत की सरकार थी। इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत करीब 37,230 करोड़ थी। सत्ता परिवर्तन के बाद रिफाइनरी की शर्तों में बदलाव के बाद पीएम मोदी ने 16 जनवरी 2018 को फिर से इसके कार्य का औपचारिक शुभारंभ किया। इस समय इसकी लागत बढ़कर 43 हजार 129 करोड़ रुपए हो गई थी। इसका काम 31 अक्टूबर 2022 तक पूरा किया जाना था, लेकिन पिछली कांग्रेस सरकार के समय 2 जून 2023 को परियोजना की लागत बढ़कर 72,937 करोड़ रुपए हो गई। भजनलाल सरकार में कंपनी ने 24 जुलाई 2025 को रिफाइनरी के लागत मूल्य में द्वितीय संशोधन प्रस्ताव सरकार को प्रस्तुत किया। इसके बाद इसकी लागत बढ़कर 79 हजार 459 करोड़ रुपए हो गई है। रिफाइनरी एचपीसीएल और राजस्थान सरकार का एक संयुक्त उपक्रम है।

हरियाणा में फसल बेचने वाले किसानों को चेतावनी, नहीं मिलेगा मंडी का गेट पास ,क्या है वजह

पटौदी, एजेंसी। मौसम खराब होने और मंडी में जगह की कमी के चलते नई अनाज मंडी जाटौली को बुधवार को बंद रखने का निर्णय लिया गया है। इधर विपरीत मौसम के चलते मंगलवार को मंडी में खरीद नहीं हो पाई। एक अप्रैल से मंगलवार तक मंडी में 3,09,872 क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है। इसमें से अब तक केवल 78,572 क्विंटल गेहूं खरीदा गया है। 2,31,300 क्विंटल गेहूं अभी तक खरीदा नहीं गया। उठान केवल 2500 क्विंटल का ही हुआ है। अनाजमंडी में 3,07,372 क्विंटल गेहूं पड़ा हुआ है। अधिकांश गेहूं खुले आसमान के नीचे बड़े बड़े ढेरों के रूप में पड़ा हुआ है और अनाजमंडी गेहूं से अटी पड़ी है। गेहूं खरीदने की गति धीमी होने तथा उठान न होने से ऐसा हुआ है। इससे वर्षा होने पर गेहूं भीगने का भी अंदेशा बना हुआ है। आढ़तियों के पास उपलब्ध त्रिपाल भी उन्हें ढकने के लिए नाकाफी सिद्ध हो रहे हैं। मार्केट कमेटी पटौदी के चेयरमैन मनोज मोकलवास ने बताया कि इस स्थिति को देखते हुए व्यापार मंडल के अनुरोध पर बुधवार को अवकाश रखने तथा गेहूं के गेट पास न काटने का निर्णय किया गया है।

फरीदाबाद में दोस्तों के साथ सिरोही झील में नहाने गया दिल्ली का युवक डूबा, अस्पताल में तोड़ा दम

फरीदाबाद, एजेंसी। सिरोही में बनी कृत्रिम झील में नहाने गए दिल्ली निवासी एक युवक की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को झील से निकालकर बादशाह खान नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। स्वजन को सूचना दे दी गई है। जानकारी के अनुसार दिल्ली के बसंत गांव निवासी अभिषेक उम्र 21 साल मंगलवार शाम करीब साढ़े तीन बजे चार दोस्तों के साथ बाइकों पर सवार होकर झील पर नहाने आया था। सभी युवक झील में नहा रहे थे। इसी दौरान अभिषेक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा।

प्राइवेट नौकरी करता था मृतक : दोस्तों ने उसे बचाने के लिए शोर मचाया, लेकिन तब तक वह पानी में लापता हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से झील में तलाश शुरू कराई। काफी प्रयास के बाद युवक को पानी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने अभिषेक को बादशाह खान नागरिक अस्पताल भिजवाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया गया है। बताया गया है कि मृतक प्राइवेट नौकरी करता था। पुलिस ने स्वजन को सूचना देकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

शिमला में नौकरी का मौका, श्रीराम फाइनेंस में विभिन्न पदों के लिए 10 अप्रैल को होगा कैंपस इंटरव्यू

शिमला, एजेंसी। क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी शिमला प्रवीन नगराईक ने जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय शिमला द्वारा श्री राम फाइनेंस लिमिटेड में सीनियर बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर (बीडीएम), बीडीएम और बिजनेस डेवलपमेंट एग्जीक्यूटिव (बीडीई) के पदों के लिए कैंपस इंटरव्यू का आयोजन 10 अप्रैल को जिला रोजगार कार्यालय यू.एस. क्लब शिमला में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सीनियर बीडीएम के 04 पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता स्नातक कॉमर्स पास, आयु 28 से 36 वर्ष होनी चाहिए, बीडीएम के 03 पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता स्नातक आर्ट्स, आयु 28 से 35 वर्ष और बीडीई के 02 पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता स्नातक पास और आयु 28 से 36 वर्ष होनी चाहिए। जो भी इच्छुक उम्मीदवार इन पदों से संबंधित योग्यता रखता हो, अपने सभी अनिवार्य दस्तावेजों सहित 10 अप्रैल को जिला रोजगार कार्यालय यू.एस क्लब शिमला पहुंचना सुनिश्चित करे। उन्होंने बताया कि आवेदक का नाम रोजगार कार्यालय में ऑनलाइन पंजीकृत होना अनिवार्य है और जिनका नाम रोजगार कार्यालय में पंजीकृत नहीं है वह संबंधित साईट पर जा कर घर बैठे ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 7807480719 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

इंदिरापुरम में घरों में सप्लाई हो रहा दूषित जल, बारिश के बीच बदबूदार झाग वाले पानी से लोग परेशान

साहिबाबाद, एजेंसी। इंदिरापुरम में पानी की समस्या लोग लगातार परेशानी का सामना कर रहे हैं। मंगलवार को कहीं पाइपलाइन लीकेज से सड़क पर पानी भर गया तो कहीं घरों में दूषित पानी की आपूर्ति की शिकायत की गई। लोगों के घरों में झाग वाला बदबूदार पानी पहुंचने से काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। सीआईएसएफ रोड पर बने एसटीपी से कई दिनों से लगातार पानी लीकेज हो रहा है। इसकी वजह से पास की सड़क पर पानी भर गया है। कई दिनों से पानी रुका होने की वजह से सड़ रहा है। स्थानीय निवासी रवि ने बताया कि सड़क पर पानी भरा होने से आवाजाही भी मुश्किल हो रही है। सफाई व खाद्य निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि नाला निर्माण चल रहा है। इसकी वजह से पानी भरा हुआ है। इसके अलावा विधायक कालोनी में मंगलवार शाम दूषित पानी की आपूर्ति की शिकायत लोगों ने की। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अनुपम शुक्ला ने बताया कि गंगाजल की आपूर्ति शाम को हुई लेकिन पानी में काफी बदबू आ रही थी। इससे टैंक में पहले से भरा पानी भी खराब हो गया और लोगों के सामने परेशानी खड़ी हो गई। नगर निगम के अवर अभियंता मयंक मिश्रा ने बताया कि मौके पर टीम को भेजकर चेक कराया जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम का यू-टनः मंगलवार रहा तीन साल में अप्रैल का सबसे ठंडा दिन, फिर बरसेंगे बादल

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजधानी समेत एनसीआर के कई शहरों में मौसम ने एक बार फिर से करवट ले ली है। मंगलवार को पूरे दिन बादल छाए रहे और तेज हवा के साथ हल्की वर्षा हुई। इससे राष्ट्रीय राजधानी में तापमान में खासी गिरावट दर्ज की गई। आलम यह रहा कि मंगलवार (सात अप्रैल) का दिन तीन सालों के दौरान अप्रैल का सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया। मंगलवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 6.3 डिग्री कम 28.8 डिग्री दर्ज हुआ। यह अप्रैल माह में 2023 के बाद सबसे कम है। इससे पहले एक अप्रैल 2023 को दिल्ली का अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था। वहीं न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.1 डिग्री अधिक 20.1 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा में नमी का स्तर 94 से 41 प्रतिशत रिकार्ड किया गया। जहां तक वर्षा का सवाल है तो सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच दिल्ली में 3.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई। लोधी रोड में भी यह 3.0 मिमी ही रही जबकि पालम और रिज में 2.1 मिमी और आयानगर में 2.0 मिमी वर्षा हुई। मौसम विज्ञानियों के अनुसार मौसम में यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के साथ-साथ हवा के पैटर्न में बदलाव के कारण हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, आज भी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और हल्की वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट भी जारी किया है। बुधवार को न्यूनतम तापमान 17 डिग्री और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। इस बीच, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता 114 एक्यूआइ के साथ ''मध्यम'' श्रेणी में बनी रही। हाल फिलहाल इसमें अधिक बदलाव होने की कोई संभावना नहीं है।

एनसीआर के अन्य शहरों का हाल

मंगलवार दोपहर तेज आंधी और झमाझम बारिश से मौसम अचानक बदल गया। कई जगह पेड़ की डालियां गिरीं और लोग बचने के लिए इधर-उधर शरण लेते दिखे। स्कूल के बच्चे भीगते नजर आए। बारिश से गर्मी से राहत मिली, लेकिन ट्रैफिक प्रभावित रहा। तापमान 27/17 डिग्री दर्ज हुआ, बुधवार को भी बारिश के आसार हैं। लगातार बारिश और ओलावृष्टि से किसानों पर दोहरी मार पड़ रही है। मंडी में गेहूं की खरीद नहीं हो रही, जबकि खेतों में कटी फसल भीग रही है। हेफेड द्वारा खरीद शुरू न होने से किसानों में नाराजगी है और फसल की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। खराब मौसम के चलते गेहूं की कटाई (लावणी) का काम ठप हो गया है। मंडियों में आवक तो हुई, लेकिन बारिश से काम प्रभावित रहा। किसान जल्द कटाई के लिए हार्वेस्टर का सहारा ले रहे हैं, फिर भी मौसम बाधा बना हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार लगातार नमी से गेहूं की गुणवत्ता घट रही है और दाना खराब होने का खतरा है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन भी ऐसे ही हालात बने रहने की संभावना जताई है।

मार्च में गुरुग्राम देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा, गाजियाबाद की हवा 11 महीनों रही खराब

गाजियाबाद, एजेंसी। ऊर्जा और स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र (सीआरईए) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2026 के मार्च माह में गुरुग्राम देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक गुरुग्राम में पीएम-2.5 का मासिक औसत स्तर 116 दर्ज किया गया है। गुरुग्राम के अलावा शीर्ष 10 शहरों में चार शहर हरियाणा के और उत्तर प्रदेश के दो शहर गाजियाबाद व नोएडा शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के 11 माह तक गाजियाबाद सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर रहा है। अभी कुछ दिन पहले ही स्विस कंपनी आइक्यू एयर ने भी प्रदूषण को लेकर अपनी रिपोर्ट जारी की थी। इसमें गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र को पूरे विश्व में सबसे प्रदूषित क्षेत्र घोषित किया गया था। सीआरईए की रिपोर्ट के मुताबिक शीर्ष 10 शहरों में हरियाणा के चार शहर गुरुग्राम, बहादुरगढ़, फरीदाबाद और भिवाड़ी हैं। उत्तर प्रदेश के दो शहर गाजियाबाद व नोएडा हैं। वायु गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन करने वाले शहरों की संख्या भी हरियाणा में सबसे अधिक है। सीआरईए ने हरियाणा के 24 शहरों की निगरानी की। इनमें नौ शहर में पीएम-2.5 स्तर मानकों से अधिक पाया गया। उत्तर प्रदेश में 21 शहरों में से आठ शहरों में भी पीएम-2.5 मानकों से अधिक मिला। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के विश्लेषण से पता चला है कि देश में कुछ ही शहर पीएम-10 के स्तर कम करने का लक्ष्य हासिल कर पाए हैं। इनमें उत्तर प्रदेश के नौ शहर ऐसे हैं जिन्होंने वर्ष 2017-18 की तुलना में पीएम-10 के स्तर में 40 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की है। इस अवधि में दिल्ली में पीएम-10 के स्तर में 17 की कमी देखी गई। गाजियाबाद में मार्च 2026 में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) के आंकड़ों के अनुसार अधिकांश दिनों में प्रदूषण का स्तर मध्यम से खराब श्रेणी में रहा। एक मार्च को एक्यूआइ 202 और तीन मार्च को 203 दर्ज किया गया। सात मार्च को प्रदूषण 292 तक पहुंच गया। सबसे खराब स्थिति में आठ मार्च को 309 और 10 मार्च को 329 एक्यूआइ दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है।

नोएडा में लिव-इन रिलेशनशिप का बढ़ता खतरा

नोएडा, एजेंसी। पढ़ाई और नौकरी के बेहतर अवसरों के चलते बड़ी संख्या में युवा, खासकर युवतियां, नोएडा आ रही हैं। मगर नए शहर की आजादी और अकेलेपन के बीच बन रहे रिश्ते अब चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। वन स्टॉप सेंटर के अनुसार, शहर में हर महीने 20 से 30 लिव-इन रिलेशनशिप के मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें अधिकतर बाहर से आए युवाओं के हैं। काउंसलिंग टीम का कहना है कि घर से दूर रहने, भावनात्मक सहारे की तलाश और सोशल मीडिया के जरिए बनी नजदीकियां युवाओं को जल्दी फैसले लेने के लिए प्रेरित करती हैं। लेकिन जब ये रिश्ते जिम्मेदारियों और हकीकत से टकराते हैं, तो हालात बिगड़ने लगते हैं और कई युवतियां मानसिक तनाव व असुरक्षा का सामना करती हैं। 21 वर्षीय युवती बड़े सपनों के साथ नोएडा कोचिंग के लिए आई थी। शुरुआत में सब सामान्य था, लेकिन पीजी में रहने के दौरान उसकी मुलाकात एक

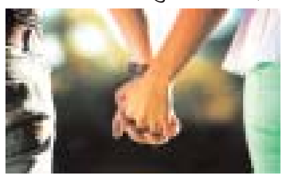

युवक से हुई। दोनों के बीच दोस्ती गहरी हुई और उसने उस पर भरोसा कर उसके साथ रहने का फैसला कर लिया। कुछ समय बाद जब खर्चों और जिम्मेदारियों को लेकर विवाद शुरू हुए, तो रिश्ता धीरे-धीरे टूटने लगा। युवक का व्यवहार बदल गया और युवती खुद को अकेला महसूस करने लगी।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने डोनाल्ड ट्रंप से की मुलाकात, कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर इन दिनों अमेरिका में हैं। मंगलवार रात उन्होंने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ डिनर किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अमेरिका-भारत संबंधों पर चर्चा की। सर्जियो गोर ने इस मुलाकात को बहुत यादगार बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा 'राष्ट्रपति ट्रंप के साथ रात्रिभोज का अनुभव शानदार रहा। हमने वैश्विक स्थिरता लाने के उनके अटूट संकल्प, उनके राष्ट्रपति कार्यकाल की ऐतिहासिक उपलब्धियों, भारत-अमेरिका

संबंधों के उज्ज्वल भविष्य और कई अन्य विषयों पर चर्चा की! इतिहास को अपनी आंखों के सामने घटते हुए देखना एक बेहद यादगार शाम थी' इससे पहले सर्जियो गोर ने अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक से भी मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ाने के रोडमैप पर बात हुई। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक नए समझौते पर चर्चा की। इसके अलावा, भारतीय दवा कंपनियों के अमेरिका में निवेश को लेकर भी बातचीत हुई। इससे बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और सामान की सप्लाई चेन मजबूत होगी। गोर ने भारतीय कंपनियों को आने वाले समिट में हिस्सा लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

गोर काश पटेल की तारीफ की : सर्जियो गोर ने एफबीआई के निदेशक काश पटेल से भी मुलाकात की। उन्होंने साइबर अपराध, नशीली दवाओं की तस्करी और अवैध नेटवर्क जैसे अंतरराष्ट्रीय खतरों से निपटने के लिए आपसी सहयोग पर चर्चा की।

सीजफायर पर ट्रंप-नेतन्याहू के बीच क्या बात हुई,अमेरिका ने समझाई शांति की रूपरेखा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से ईरान के साथ प्रस्तावित युद्धविराम के ढांचे को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत की। यह कदम पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच उठाया गया है, जहां होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की शर्त पर दो सप्ताह का युद्धविराम लागू किया गया है। ईरान के साथ जारी तनाव को कम करने के प्रयासों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से सीजफायर फ्रेमवर्क को अंतिम रूप देने के लिए अहम बातचीत की है। व्हाइट हाउस के

एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। ट्रंप ने इस मुद्दे पर पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर से भी चर्चा की। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ प्रस्तावित सैन्य कार्रवाई को फिलहाल रोककर कूटनीतिक समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया है।अमेरिका ने ईरान के साथ तनाव कम करने के लिए दो सप्ताह का समय तय किया है। इस दौरान किसी भी सैन्य कार्रवाई को रोकते हुए बातचीत के जरिए स्थायी समाधान निकालने की कोशिश की जा रही है।

मोजतबा ने फायरिंग रोकने का आदेश दिया; इस्राइल बोला- सीजफायर में हिजबुल्ला नहीं शामिल

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने स्पष्ट किया है कि संघर्षविराम का मतलब युद्ध का अंत नहीं है और अगर शत्रु किसी भी तरह की कार्रवाई करता है तो उसके हाथ हमेशा हथियार पर रहेंगे। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ दो सप्ताह के संघर्षविराम पर सहमति के बाद अपनी सभी सैन्य इकाइयों को गोलीबारी रोकने का निर्देश दिया। लेकिन साथ ही तेहरान ने यह भी स्पष्ट किया कि यह युद्ध का अंत नहीं है। राज्य संचालित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग पर पढ़े गए एक बयान में खामेनेई ने कहा यह युद्ध का अंत नहीं है, लेकिन सभी सैन्य शाखाओं को सर्वोच्च नेता के आदेश का पालन करते हुए अपनी फायरिंग रोकनी चाहिए।

'बड़े पैसों की कमाई होगी': संघर्षविराम के बाद बोले ट्रंप : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर संदेश साझा करते हुए कहा कि ईरान के साथ संघर्षविराम समझौते को एक विश्व शांति के लिए बड़ा दिन करार दिया और कहा कि

अमेरिका स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में यातायात व्यवस्था में मदद करेगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा यह क्षण पश्चिम एशिया के लिए एक नए गोल्डन एज की शुरुआत का संकेत हो सकता है। उन्होंने आगे लिखा 'यहां कई सकारात्मक गतिविधियां होंगी। बड़े पैसों की कमाई होगी। ईरान पुनर्निर्माण प्रक्रिया शुरू कर सकता है। हम हर प्रकार की सामग्री की आपूर्ति करेंगे और यह सुनिश्चित करने के लिए मौके पर रहेंगे कि सब कुछ सुचारू रूप से चले। मुझे भरोसा है कि ऐसा होगा।'

इस्राइलः अमेरिका-ईरान सीजफायर पर समर्थन, लेकिन इसमें हिजबुल्ला नहीं शामिल : इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्पष्ट किया है कि उनका देश अमेरिका और ईरान के बीच हुए दो-हफ्ते के युद्धविराम समझौते का समर्थन करता है, लेकिन यह समझौता लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ जारी लड़ाई को कवर नहीं करता है। इस बात की जानकारी विश्व मीडिया एजेंसियों के रिपोर्ट में मिली है। नेतन्याहू कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि इस्राइल अमेरिका के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ युद्धविराम को आगे बढ़ाने का पक्ष लेता है, लेकिन लेबनान में हिजबुल्ला को निशाना बनाने वाली सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी और वह इस समझौते का हिस्सा नहीं है। इस कदम से स्पष्ट संदेश गया है कि सीजफायर का दायरा सिर्फ अमेरिका-ईरान संघर्ष तक सीमित है और अन्य मोर्चों पर हमला जारी रहेगा।

अमेरिका पर साइबर हमले का भी दावा : ईरान से जुड़े साइबर समूहों की ओर से अमेरिका पर बड़े साइबर हमले का दावा भी सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावरों ने इंडस्ट्रियल सिस्टम्स में इस्तेमाल होने वाले प्रोग्रामेबल लॉजिक कंट्रोलर को निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि [illegible] सिस्टम्स किसी भी बड़े औद्योगिक सेटअप के दिमाग की तरह काम करते हैं। ये ऑटोमैटिक प्रोग्राम के जरिए मशीनों और प्रक्रियाओं को नियंत्रित करते हैं। ऐसे में इन सिस्टम्स के प्रभावित होने से कई महत्वपूर्ण संचालन बाधित हो सकते हैं।

ईरान में सरकार समर्थकों का उग्र प्रदर्शन : युद्धविराम की घोषणा के बाद भी ईरान की राजधानी में माहौल शांत नहीं दिखा। बुधवार सुबह तेहरान की सड़कों पर सरकार समर्थक प्रदर्शनकारियों का गुस्सा खुलकर सामने आया। प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने अमेरिका मुर्दाबाद, इस्राइल मुर्दाबाद और समझौता करने वालों के खिलाफ जैसे तीखे नारे लगाए। हालात उस समय और ज्यादा उग्र हो गए जब प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर अमेरिकी और इस्राइली झंडे जलाए। मौके पर मौजूद आयोजकों ने भीड़ को शांत करने की कोशिश की, लेकिन प्रदर्शनकारी लगातार नारेबाजी करते रहे और गुस्सा कम होता नहीं दिखा। ईरान की राजधानी तेहरान में लोग युद्धविराम की घोषणा के बाद खुशियों में झूम उठे। वीडियो में दिखा कि लोगों ने ईरानी झंडे लहराए, जयकारे लगाए और जश्न मनाया। यह पल खास इसलिए भी महत्वपूर्ण था क्योंकि शहर पिछले कई हफ्तों से तीव्र हमलों और युद्ध की स्थिति से जूझ रहा था।

न्यायालय परिसर में पक्षियों के लिए लगाए गए सकोरे

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की पहल, गर्मी में दाना-पानी की व्यवस्था पर दिया जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पंच-ज अभियान के अंतर्गत जिला न्यायालय परिसर में पक्षियों के संरक्षण और उनके लिए पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर की मंशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रयाग लाल दिनकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे कार्यक्रम के दौरान न्यायालय परिसर में वृक्षों पर पक्षियों के लिए पानी और दाना रखने हेतु सकोरे लगाए गए। इस अवसर पर उपस्थित न्यायाधीशों और अधिकारियों ने भी इस पहल में सक्रिय सहभागिता निभाई प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर ने कहा कि गर्मी के मौसम में पक्षियों को जल की कमी के कारण अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ऐसे में उनके लिए दाना-पानी की व्यवस्था करना हर नागरिक का दायित्व है उन्होंने आमजन से अपील की कि वे भी अपने घरों, कार्यालयों, बालकनी, छत और बगीचों में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करें। उन्होंने यह भी कहा कि केवल पानी उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि पक्षियों के लिए सुरक्षित, छायादार और हवादार वातावरण

उपलब्ध कराना भी आवश्यक है ताकि वे गर्मी से बच सकें और सुरक्षित रह सकें। इस कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश यतीन्द्र कुमार गुरू, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दीपक शर्मा, द्वितीय जिला न्यायाधीश मनीष कुमार श्रीवास्तव, प्रथम जिला न्यायाधीश राकेश कुमार सोनी, तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश उर्मिला यादव सहित अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुनीता रावत, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सोनू जैन, सरिता चौधरी, कपिल देव काछी, मृदुल लटौरिया, अभिषेक साहू, जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का संदेश दिया गया। न्यायालय परिसर में की गई यह पहल समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आई है।

किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु लगाया गया एचपीवी टीका

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के उद्देश्य से रामपुर नैकिन क्षेत्र में एचपीवी टीकाकरण अभियान का आयोजन किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर नैकिन के अंतर्गत शासकीय कन्या स्कूल में आयोजित इस अभियान के तहत किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन लगाई गई। यह अभियान भारत सरकार के निर्देशानुसार चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य किशोरियों को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाना और समय रहते इसकी रोकथाम सुनिश्चित करना है स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार एचपीवी वैक्सीन इस बीमारी की रोकथाम में अत्यंत प्रभावी है और भविष्य में महिलाओं के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रेरणा त्रिपाठी, स्वास्थ्य विभाग की एएनएम और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति में टीकाकरण किया गया सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से अभियान का सफल संचालन सुनिश्चित किया गया। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के परामर्शदाता पंकज शुक्ला ने अभियान के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने किशोरियों को टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूक किया और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। टीकाकरण सत्र के दौरान कुल 23 किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन लगाई गई। सभी लाभार्थियों का टीकाकरण शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए पूरी सुरक्षा और सावधानी के साथ किया गया। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों और नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान का लाभ उठाएं और अपनी बेटियों को समय पर टीकाकरण कराकर उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित करें।

सिद्धि विनायक मंदिर निर्माण के लिए भूमि आवंटन का प्रस्ताव उपमुख्यमंत्री को सौंपा गया

रीवा में तीसरे सिद्धि विनायक मंदिर की तैयारी, हिन्दू धर्म परिषद को निर्णय का इंतजार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विन्ध्य क्षेत्र की धार्मिक पहचान को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सिद्धि विनायक मंदिर निर्माण के लिए भूमि आवंटन का प्रस्ताव उपमुख्यमंत्री को सौंपा गया है। मंदिर निर्माण ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने नगर के छह संभावित स्थलों में से किसी एक भूमि के आवंटन की मांग की है जानकारी के अनुसार देश में मुंबई और इंदौर के बाद रीवा को तीसरे सिद्धि विनायक मंदिर के रूप में विकसित करने की योजना पर काम चल रहा है इस संबंध में मंदिर निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष कमलेश सचदेवा और संयोजक नारायण डिगवानी द्वारा प्रस्ताव प्रपत्र उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला को भेजा गया है। उपमुख्यमंत्री ने इस प्रस्ताव पर जल्द निर्णय लेने का आश्वासन दिया है। यह मंदिर हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक स्वर्गीय भैय्यालाल शुकला के नाम पर बी.एल. सिद्धि विनायक मंदिर' के रूप में बनाया जाना प्रस्तावित है। ट्रस्ट द्वारा मंदिर की संपूर्ण योजना, स्वरूप और उद्देश्य की विस्तृत जानकारी उपमुख्यमंत्री को दी गई है। फिलहाल मंदिर निर्माण की प्रक्रिया भूमि आवंटन पर निर्भर है जो या तो शासन द्वारा या किसी दानदाता के सहयोग से संभव हो सकेगी। हिन्दू धर्म परिषद के अध्यक्ष ऋषिशंकर मिश्रा ने बताया कि यह प्रस्ताव उनकी पंजीकृत संस्था के माध्यम से औपचारिक रूप से प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शासन स्तर पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा जिससे निर्माण कार्य प्रारंभ हो सके। मंदिर निर्माण ट्रस्ट की योजना समिति ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का विस्तृत भ्रमण कर छह उपयुक्त स्थलों का चयन किया है। समिति के सदस्यों में डॉ. सी.बी. शुक्ला, डॉ. के.के. परौहा, डॉ. ज्योति सिंह, रश्मी शुक्ला, विजय मोहन तिवारी, उमेश कुशवाहा, सुमित मांजवानी, डी.पी. सिंह परिहार और अवधेश श्रीवास्तव शामिल हैं। सभी चयनित स्थल मंदिर निर्माण के लिए उपयुक्त माने गए हैं। ट्रस्ट के सदस्यों ने उपमुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि भूमि आवंटन की प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जाए ताकि निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ हो सके। उनका मानना है कि इस मंदिर के निर्माण से न केवल रीवा, बल्कि पूरे विन्ध्य क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर एक नई पहचान मिलेगी। प्रशासनिक स्तर पर अब आगे की कार्रवाई का इंतजार है भूमि आवंटन होते ही मंदिर निर्माण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

बिजली स्टेशन में घुसे जंगली साही, कई गांवों की बिजली सप्लाई बंद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के सुकवारी गांव में बने 220 केवी बिजली स्टेशन में जंगली साही के घुसने से हड़कंप मच गया। पिछले 10 दिनों से साही के एक जोड़े (नर और मादा) ने स्टेशन को अपना ठिकाना बना लिया था जिसकी वजह से पूरे इलाके की बिजली व्यवस्था पटरी से उतर गई थी। इन जंगली जानवरों ने स्टेशन के अंदर करीब 12 से ज्यादा बिजली के केबलों को अपने दांतों से कुतर दिया इसके चलते कई गांवों में अंधेरा छा गया। बिजली कंपनी के कर्मचारी जब भी मरम्मत करने की कोशिश करते साही उन पर अपने नुकीले कांटों से हमला कर देते थे कई बार तार जोड़ने के बाद भी साही उन्हें फिर से काट देते थे जिससे कर्मचारी और ग्रामीण दोनों परेशान थे। सुबह जब इसकी खबर वन विभाग को मिली तो वनपाल पंकज मिश्रा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों साही को सुरक्षित पकड़ लिया गया। टीम ने उन्हें रेस्क्यू करने के बाद पास के जंगल में ले जाकर छोड़ दिया जिसके बाद बिजली सुधार का काम तेजी से शुरू हो सका। वनपाल पंकज मिश्रा ने बताया कि साही वैसे तो शांत रहते हैं, लेकिन गर्मी के दिनों में खाने और पानी की तलाश में वे अक्सर रिहायशी इलाकों की तरफ आ जाते हैं।

शराब तस्करी के शक में युवक को पीटा, पुलिस बोली- शिकायत नहीं मिली

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। ग्रामीण अंचलों में अवैध शराब तस्करी के संदेह में एक युवक की ग्रामीणों ने पिटाई कर पुलिस के अनुसार, यह वीडियो लगभग एक महीने पुराना है इस मामले में अब तक कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। जानकारी के मुताबिक ग्रामीणों को संदेह था कि युवक गांव-गांव जाकर अवैध रूप से देशी और अंग्रेजी शराब की तस्करी कर रहा है। इसी शक के आधार पर ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई की बताया जा रहा है कि युवक के पास से कई पाव देशी और अंग्रेजी शराब भी बरामद की गई थी। वीडियो में युवक यह स्वीकार करते हुए भी दिख रहा है कि ठेकेदारों की ओर उसे लगातार परेशान किया जाता है और ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर शराब पहुंचाने का दबाव बनाया जाता है इस घटना के बाद इलाके में अवैध शराब के कारोबार को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है। सासन चौकी प्रभारी संदीप नामदेव ने बताया कि यह वीडियो करीब एक महीने पुराना है जो अब सामने आया है उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले में न तो ग्रामीणों की ओर से कोई शिकायत दर्ज कराई गई है और न ही पीड़ित युवक ने पुलिस को कोई सूचना दी है।

कलेक्टर का कन्या महाविद्यालय निर्माण कार्यों का निरीक्षण

गुणवत्ता, सुरक्षा और समय-सीमा पर विशेष जोर, छात्रावास कार्य में तेजी लाने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में शैक्षणिक अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा ने कन्या महाविद्यालय सीधी के निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने महाविद्यालय परिसर में बन रहे विभिन्न भवनों, कक्षाओं और अन्य सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाना चाहिए और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने विशेष रूप से निर्माणाधीन छात्रावास की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कार्य में तेजी लाने को कहा ताकि छात्राओं को जल्द से जल्द आवासीय सुविधा उपलब्ध हो सके। निरीक्षण के दौरान महाविद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और छात्राओं के लिए उपलब्ध शैक्षणिक वातावरण का भी जायजा लिया गया कलेक्टर ने निर्देशित किया कि छात्राओं को सुरक्षित और अनुकूल अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराया जाए, जिससे वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी बेहतर ढंग से कर सकें इसके साथ ही उन्होंने छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए खेल सुविधाओं के विस्तार पर भी जोर दिया कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को खेल मैदान, उपकरण और अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि छात्राएं शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ सकें। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय, तहसीलदार मीनाक्षी जायसवाल, महाविद्यालय के प्राचार्य ओपी नामदेव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और महाविद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में शिक्षा की गुणवत्ता और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए इस प्रकार के निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे, ताकि छात्राओं को आधुनिक और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

कोचिटा ग्राम पंचायत में जल गंगा संवर्धन अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनपद पंचायत सीधी के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोचिटा में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण और संवर्धन को लेकर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया इस अभियान में ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम डांडी स्थित घमसान दाऊ चबूतरा के पास निःशुल्क प्याऊ के संचालन से हुई इससे राहगीरों और ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया गया इसके बाद झरिया नदी में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों द्वारा श्रमदान किया गया, जिसमें उन्होंने जल स्त्रोतों की सफाई और संरक्षण की दिशा में सहयोग किया।

महापौर की अनूठी पहल: रीवा में 5 आधुनिक आरओ वाटर एटीएम शुरू

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गर्मी के मौसम को देखते हुए शहरवासियों को शुद्ध और ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' की अगुवाई में शहर में 5 आधुनिक आरओ वाटर एटीएम प्लांट स्थापित कर दिए गए हैं जिनका लोकार्पण अस्पताल चौक में विधिवत रूप से किया गया। इस अवसर पर महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' ने कहा कि नगर निगम रीवा द्वारा यह पहल नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुलभ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि यह मध्यप्रदेश का पहला ऐसा आधुनिक आरओ वाटर एटीएम है जिसमें उन्नत तकनीक का उपयोग किया गया है। यह सुविधा खासतौर पर गर्मी में राहगीरों और आम जनता को राहत प्रदान करेगी। महापौर ने यह भी कहा कि यह व्यवस्था पूरी तरह निःशुल्क है और जनता के टैक्स के पैसे का उपयोग कर नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है उन्होंने इन वाटर एटीएम की तकनीकी विशेषताओं की जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक यूनिट की क्षमता 1000 लीटर है जबकि 5000 लीटर क्षमता वाले स्टील टैंकर के माध्यम से नियमित रूप से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इन आधुनिक वाटर एटीएम में एंड्रॉयड आधारित सेंसर सिस्टम लगाया गया है जिससे हर एटीएम में उपलब्ध पानी की मात्रा की जानकारी 24 घंटे मॉनिटर पर प्रदर्शित होती रहेगी। इससे समय पर रिफिलिंग संभव होगी और जल आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी। नगर निगम क्षेत्र में फिलहाल 5 वाटर एटीएम-नगर निगम परिसर, अस्पताल चौक, सिरमौर चौक और बस स्टैंड सहित प्रमुख स्थानों पर स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही आगामी समय में शहर के विभिन्न स्थानों पर 7 और वाटर एटीएम स्थापित किए जाने की योजना है।

संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय में 'तनाव मुक्त परीक्षा' पर संगोष्ठी आयोजित

विशेषज्ञों ने दिए सफलता के मंत्र, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी में वाणिज्य संकाय द्वारा 'तनाव मुक्त परीक्षा की तैयारी कैसे करें' विषय पर एक उपयोगी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष डॉ. राम नारायण स्वर्णकार के नेतृत्व में आयोजित हुआ जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को परीक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने और उन्हें सही दिशा में अध्ययन के लिए प्रेरित करना रहा इस दौरान वाणिज्य संकाय के शिक्षकों ने परीक्षा की तैयारी से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया तथा विद्यार्थियों की

जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में सुश्री दीपशिखा गुप्ता ने छात्रों को सलाह दी कि वे उत्तर लिखते समय सरल और स्पष्ट भाषा का उपयोग करें तथा सिलेबस पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि अनावश्यक शॉर्टकट अपनाने के बजाय पुस्तकों का गहन अध्ययन करना अधिक लाभकारी होता है डॉ. अरसद आयूब अंसारी ने परीक्षा में उत्तर लेखन की रणनीति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि लंबे प्रश्नों के उत्तर विस्तार से तथा छोटे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप और सटीक रूप में लिखे जाने चाहिए उन्होंने समय प्रबंधन को सफलता की कुंजी बताते हुए विद्यार्थियों को इसका विशेष अभ्यास करने की सलाह दी। विकास सिंह ने आधुनिक तकनीक के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सही उपयोग कर पढ़ाई को और प्रभावी बनाया जा सकता है उन्होंने उत्तरों को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने के लिए डायग्राम और चार्ट के उपयोग की भी सलाह दी। जयन्ती सिंह ने विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान आत्मविश्वास बनाए रखने नियमित अभ्यास करने और शांत मन से अध्ययन करने की प्रेरणा दी उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में घबराना नहीं चाहिए और समय से परीक्षा केंद्र के लिए प्रस्थान करना चाहिए किसी समस्या की स्थिति में शिक्षकगण से मार्गदर्शन लेने की भी सलाह दी गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान बना जन आंदोलन, जल संरक्षण के लिए सामूहिक भागीदारी पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जल संरक्षण को लेकर चलाया जा रहा 'जल गंगा संवर्धन अभियान' अब जन आंदोलन का रूप लेता जा रहा है इसी क्रम में जनपद पंचायत सीधी की ग्राम पंचायत बहेरा में जल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह परिहार उपस्थित रहे उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि जल ही जीवन का आधार है इसलिए इसका संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने वर्षा जल संचयन, परंपरागत जल स्त्रोतों के संरक्षण और जल के विवेकपूर्ण उपयोग पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते जल संरक्षण के ठोस प्रयास नहीं किए गए तो आने वाली पीढ़ियों को जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए हर व्यक्ति को इस अभियान से जुड़कर इसे सफल बनाने में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान यह भी उल्लेख किया गया कि जल गंगा संवर्धन अभियान अब केवल एक सरकारी पहल नहीं रह गया है बल्कि यह जनभागीदारी से प्रेरित एक व्यापक जन आंदोलन बनता जा रहा है।

मंडी पोर्टलों की बाधा: एमएसपी हकीकत न बनने से मजबूरी में बिक्री

संपादकीय

कहने को तो देश डिजिटल क्रांति के दौर में पहुंच चुका है और वित्तीय लेनदेन से लेकर तमाम क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक वरदान साबित हो सकती है। लेकिन हमें यह मानकर चलना चाहिए कि देश का परंपरागत किसान डिजिटल सुविधाओं के उपयोग में खुद को सहज महसूस नहीं करता। आधुनिक डिजिटल तकनीक का प्रयोग नई पीढ़ी की सोच के अनुरूप है, लेकिन पुरानी पीढ़ी इसके उपयोग में खुद को असहज पाती है। कमोबेश किसानों के कल्याण के लिए बनाये गए मंडी पोर्टलों पर भी यही बात लागू होती है। जाहिरा तौर पर किसानों के लिये मंडी पोर्टलों का उपयोग आसान होना चाहिए। बाकायदा किसानों को डिजिटल साक्षर बनाने की मुहिम चलाने की जरूरत भी है। सही मायनों में डिजिटलीकरण का मुख्य उद्देश्य कृषि उपजों की खरीद की प्रक्रिया को सरल बनाना था। लेकिन हरियाणा में जमीनी हकीकत इसके विपरीत नजर आ रही है। दरअसल, हम एक आम किसान से यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वह शहरी लोगों की तरह पोर्टलों, पासवर्डों और प्रक्रियात्मक पेचीदगियों के जाल का सहजता से उपयोग कर सके। यही वजह है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी का लाभ उठाने के लिये उसे एक जटिल प्रक्रिया का सामना करना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि राज्य भर की मंडियों से द ट्रिब्यून में प्रकाशित हालिया रिपोर्टों से एक जैसा पैटर्न नजर आया है। अब राज्य में फसलों की बिक्री के लिये अनिवार्य पोर्टल- ई-खरीद और मेरी फसल,मेरा ब्योरा यानी एमएफएमबी- साइट क्रैश, डेटा विसंगतियों और सत्यापन की विफलताओं से ग्रस्त है। जिससे कई तरह की समस्याओं से किसानों को रूबरू होना पड़ रहा है। यहां तक कि कई जिलों में, किसानों को गेट पास तक नहीं दिए गए हैं। वजह यह बतायी जा रही है कि किसानों का रिकॉर्ड मेल नहीं खा रहा है। कई बार अंतिम व महत्वपूर्ण क्षणों में सर्वर ने काम नहीं किया। जिसका खमियाजा फसल बेचने आने वाले किसानों को उठाना पड़ रहा है।

दरअसल, ऐसी अनेक तकनीकी जटिलताओं के परिणाम तात्कालिक व गंभीर बताये जाते हैं। किसानों की फसल तो बिक्री के लिये तैयार है, लेकिन कतिपय कारणों से उसे मंडियों में प्रवेश करने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। यही वजह है किसान अपने खून-पसीने की फसल निजी व्यापारियों को बेचने को विवश हो जाते हैं। किसान की मजबूरी ये होती है कि वह जल्द से जल्द फसल बेचना चाहता है। उसे अपने पहले के खर्च निकालने हैं और अगली फसल की तैयारी करनी है। जिसके चलते वह तुरंत भुगतान की आस में कम दाम में भी व्यापारियों को फसल बेचने को बाध्य हो जाता है। ऐसा नहीं है कि सरकारी एजेंसियां खरीद नहीं कर रही हैं, लेकिन फसल की आवक का एक छोटा हिस्सा ही खरीद पायी हैं।

णमोकार महामंत्र: श्रद्धा, समता और आत्मशुद्धि का शाश्वत मंत्र

श्रमण डॉ पुष्पेंद्र

(प्रसंग - विश्व नवकार दिवस (9 अप्रैल 2026)

जैन धर्म की आराधना परंपरा में णमोकार महामंत्र को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। यह केवल एक धार्मिक मंत्र नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि, समता और विनय का सार्वभौमिक संदेश है। इसकी महिमा का उल्लेख प्राचीन जैन आगम ग्रंथ भगवती सूत्र के प्रारम्भ में महामंगल वाक्य के रूप में मिलता है.-

'णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं, णमो आयरियाणं, णमो उवज्झायाणं, णमो लोए सव्व साहूणं। '

यह मंत्र अनादि और अविनाशी माना गया है। सभी तीर्थंकरों ने इसकी महत्ता को स्वीकार किया है। इसे जैन धर्म का मूल मंत्र और जिनागम का सार कहा जाता है।

गुण-पूजा का अद्वितीय संदेश

णमोकार महामंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें किसी व्यक्ति-विशेष या देवता की स्तुति नहीं की गई, बल्कि उनके गुणों को नमन किया गया है। यह व्यक्ति-पूजा नहीं, बल्कि गुण-पूजा का संदेश देता है। इसमें किसी प्रकार की याचना या कामना नहीं है, केवल निस्वार्थ श्रद्धा, समर्पण और आत्मशुद्धि का भाव है। यही कारण है कि यह मंत्र किसी एक संप्रदाय या समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि सार्वभौमिक और सर्वग्राह्य है।

णमोकार महामंत्र में पांच पद है, 35 अक्षर है। इनमें 11 अक्षर लघु हैं, 24 गुरु हैं, 15 दीर्घ हैं और 20 हस्व हैं। 35 स्वर हैं और 34 व्यंजन हैं। यह एक अद्वितीय बीज संयोजना है। णमो अरिहंताणं में सात अक्षर है, णमो सिद्धाणं में पांच अक्षर हैं, णमो आयरियाणं में सात अक्षर हैं, णमो उवज्झायाणं में सात अक्षर है, णमो लोए सव्व साहूणं में नौ अक्षर हैं। इस प्रकार इस महामंत्र में कुल 35 अक्षर हैं। स्वर और व्यंजन का विश्लेषण करने पर नमो अरिहंताणं में 7 स्वर और 6 व्यंजन हैं, नमो सिद्धाणं में 5 स्वर और 6 व्यंजन हैं, नमो उवज्झायाणं में 7 स्वर और 7 ही व्यंजन हैं। नमो लोए सव्व साहूणं में 6 स्वर तथा 6 व्यंजन हैं। इस प्रकार नमोकार महामंत्र में 35 स्वर और 34 व्यंजन हैं। यह महामंत्र जैन आराधना और साधना का ध्रुव केन्द्र है, इसकी शक्ति अपरिमेय है। इस महामंत्र के वर्णों के संयोजन पर चिन्तन करें तो यह बड़ा अद्भुत और पूर्ण वैज्ञानिक है। इसके बीजाक्षरों को आधुनिक शब्द विज्ञान की कसौटी पर कसने पर साधक यह पाते हैं कि इसमें विलक्षण ऊर्जा है और शक्ति का भण्डार छिपा हुआ है। प्रत्येक अक्षर का विशिष्ट अर्थ है, प्रयोजन और सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करने की क्षमता है।

पंच परमेष्ठियों का वंदन :इस मंत्र में पंच परमेष्ठियों को नमस्कार किया गया हैकृअरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु।

अरिहंत वे हैं जिन्होंने अपने आंतरिक शत्रुओंकृराग, द्वेष, मोह और वासनाओंकृपर विजय प्राप्त कर सर्वज्ञता को उपलब्ध किया।

सिद्ध वे मुक्त आत्माएँ हैं जो जन्म-मृत्यु के चक्र से परे मोक्ष में स्थित हैं।

आचार्य संघ के आध्यात्मिक पथप्रदर्शक हैं।

उपाध्याय शास्त्रों के ज्ञाता एवं अध्यापक हैं।

साधु वे तपस्वी आत्माएँ हैं जो आत्मकल्याण और लोककल्याण हेतु धर्म का आचरण करती हैं।

जैन दर्शन के अनुसार आध्यात्मिक उत्कर्ष में न तो वेष बाधक है और न ही लिंग। स्त्री हो या पुरुष, सभी आत्मिक उन्नति के अधिकारी हैं।

साधना और मानसिक शांति :श्रद्धा, शुद्ध उच्चारण और एकाग्र भाव से णमोकार महामंत्र का जप मानसिक शांति, आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। शास्त्रों में इसे 'सर्व पापों का नाश करने वाला और परम मंगलकारी' कहा गया है। प्रत्येक अक्षर स्वयं में मंत्रस्वरूप है और इसका जप किसी भी क्रम में किया जा सकता है। ध्यानपूर्वक जप करने से चित्त की चंचलता कम होती है और साधक आत्मस्वरूप के निकट पहुँचता है। यह मंत्र हमें भीतर की पवित्र चेतना से जोड़ता है।

भाषिक एवं वैज्ञानिक संरचना :णमोकार महामंत्र प्राकृत भाषा में रचित है और इसकी रचना आर्या छंद में की गई है। इसके पाँच मुख्य पदों में कुल 35 अक्षर माने गए हैं। ध्वनि-विज्ञान की दृष्टि से इसमें लघु-गुरु, ह्रस्व-दीर्घ वर्णों का संतुलित संयोजन है। स्वर और व्यंजन की विशिष्ट व्यवस्था इसे अद्वितीय बीज-संरचना प्रदान करती है।

तमिलनाडु का सातानकुलम कस्टोडियल डेथ केस -सत्ता के दुरुपयोग मानवाधिकारों क़ा उल्लंघन

- 6 अप्रैल 2026 मदुरै कोर्ट से 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा-न्याय, व्यवस्था और मानवीय गरिमा पर एक ऐतिहासिक निर्णय का अंतरराष्ट्रीय विश्लेषण महामारी,लॉकडाउन और सत्ता का अंधेरा पक्ष- ज़ब अधिकार अत्याचार का माध्यम बन गए थे- न्याय की जीत सत्यमेव जयते सातानकुलम केस- भारतीय पुलिस व्यवस्था में तत्काल सुधार, अधिक जवाबदेह बनानें, हिरासत में सीसीटीवी कैमरों की अनिवार्यता,स्वतंत्र जांच एजेंसियों की स्थापना व मानवाधिकारों पर जोर क़ी सख्त ज़रूरत वैश्विक स्तरपर साल 2020 में जब पूरी दुनियाँ कोविड -19 महामारी के अभूतपूर्व संकट से जूझ रही थी, तब सरकारों ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सख्त लॉकडाउन जैसे कदम उठाए।भारत भी इससे अछूता नहीं रहा।सड़कों पर सन्नाटा,बंद बाजार,ठप उद्योग यह दृश्य देशभर में आम था। लेकिन इस सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के बीच एक दूसरा,कम दिखाई देने वाला संकट भी पनप रहा था,सत्ता के दुरुपयोग और मानवाधिकारों के उल्लंघन का। कई स्थानों पर पुलिस और प्रशासन को व्यापक अधिकार दिए गए, जिनका उद्देश्य कानून- व्यवस्था बनाए रखना था,परंतु कुछ मामलों में यही अधिकार अत्याचार का माध्यम बन गए।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

इसी पृष्ठभूमि में तमिलनाडु के सातानकुलम में घटित कस्टोडियल डेथ का मामला सामने आया, जिसने न केवल भारत बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तरपर भी न्याय और मानवाधिकारों को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस कस्टोडियल डेथ मैटर में न्यायपालिका की भूमिकाः लोकतंत्र का अंतिम स्तंभ सिद्ध हुई, इस केस में न्यायपालिका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहीअदालत ने इस केस कोरेयरेस्ट ऑफ रेयर मानते हुए न केवल सख्त सजा दी, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि कानून के सामने सभी समान हैं, चाहे वे आम नागरिक हों या पुलिसकर्मी। यह निर्णय न्यायपालिका की स्वतंत्रता और उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ऐसे फैसले लोकतंत्र में विश्वास को मजबूत करते हैं और यह संदेश देते हैं कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। प्रिंट इलेक्ट्रानिक और डिजिटल मीडिया में अक्सर हम कस्टोडियल डेथ के बारे में बहुत सुनते हैं,इसलिए अब पुलिस सुधार की आवश्यकताः प्रणालीगत बदलाव की मांग का समय अब आ गया है। सातानकुलम केस ने भारतीय पुलिस व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता को उजागर किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि पुलिस को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए कई कदम उठाने की जरूरत है, जैसे कि हिरासत में सीसीटीवी कैमरों की अनिवार्यता, स्वतंत्र जांच एजेंसियों की स्थापना, और पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण में मानवाधिकारों पर जोर।इसके अलावा, पुलिस बल में कार्य के दबाव, संसाधनों की कमी और राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे मुद्दों को भी संबोधित करना आवश्यक है। जब तक इन संरचनात्मक समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति की संभावना सटीक रूप से बनी रहेगी। साथियों बात अगर हम सातानकुलम की घटनाः एक सामान्य उल्लंघन से असाधारण त्रासदी तक इसको समझने की करें तो19 जून 2020 को तमिलनाडु के सातानकुलम में एक सामान्य-सी दिखने वाली घटना ने भयावह रूप ले लिया। मोबाइल दुकान चलाने वाले पी. जयराज (59) और उनके बेटे जे. बेनिक्स (31) पर आरोप था कि उन्होंने लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करते हुए अपनी दुकान खुली रखी। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया और थाने ले जाया गया। सामान्यतः ऐसे मामलों में जुर्माना या चेतावनी देकर छोड़ दिया जाता है,लेकिन इस केस में पुलिस की कार्रवाई असामान्य रूप से कठोर और अमानवीय साबित हुई।परिजनों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों को पूरी रात थाने में बर्बरता पूर्वक

पीटा गया। उनके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे,खून बह रहा था और उन्हें लगातार प्रताड़ित किया गया।यह केवल कानून का पालन कराने की कार्रवाई नहीं थी,बल्कि सत्ता के दुरुपयोग का चरम उदाहरण बन गई।बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया,लेकिन उनकी हालत इतनी खराब थी कि कुछ ही दिनों में 22 जून को बेनिक्स और 23 जून को जयराज की मृत्यु हो गई। साथियों बात अगर हम पुलिस का प्रारंभिक बचाव और सच्चाई का उजागर होना इसको समझने की करें तो इस घटना के बाद पुलिस ने प्रारंभ में यह दावा किया कि दोनों की मौत स्वास्थ्य समस्याओं के कारण हुई है। यह एक सामान्य रणनीति थी, जिसे अक्सर कस्टोडियल डेथ के मामलों में अपनाया जाता है।लेकिन इस बार परिस्थितियाँ अलग थीं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने पुलिस के दावों की पोल खोल दी। रिपोर्ट के अनुसार, बेनिक्स के शरीर पर 13 और जयराज के शरीर पर 17 गंभीर चोटों के निशान पाए गए, जो स्पष्ट रूप से अत्यधिक हिंसा और प्रताड़ना की पुष्टि करते थे।इसके अलावा, एक महिला कॉन्स्टेबल के बयान ने मामले को और गंभीर बना दिया। उसने खुलासा किया कि दोनों को रातभर बेरहमी से पीटा गया और उनके खून से सने कपड़ों से थाने की सफाई करवाई गई। यह केवल शारीरिक हिंसा नहीं थी, बल्कि मानवीय गरिमा का घोर अपमान था। इस खुलासे के बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया और यह मामला राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों में आ गया।

साथियों बात अगर हम न्याय की लंबी यात्राः छह वर्षों का संघर्ष इसको समझने की करें तो यह मामला केवल एक आपराधिक केस नहीं था, बल्कि न्याय के लिए लंबी और कठिन लड़ाई का प्रतीक बन गया। छह वर्षों तक चली सुनवाई के दौरान कई बाधाएँ आई सबूतों का संरक्षण, गवाहों की सुरक्षा, और न्यायिक प्रक्रिया की जटिलताएँ। कुल 10 आरोपियों में से एक की कोविड के दौरान मृत्यु हो गई,जबकि बाकी 9 पुलिस कर्मियों के खिलाफ मुकदमा जारी रहा।6 अप्रैल 2026 को मदुरै की फर्स्ट एडिशनल सेशंस कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सभी 9 पुलिस कर्मियों को मौत की सजा सुनाई। अदालत ने इस मामले को रेयरेस्ट ऑफ रेयर की श्रेणी में रखा, जो भारतीय न्याय प्रणाली में सबसे गंभीर अपराधों के लिए आरक्षित है। जज मुथुकुमारन ने अपने फैसले में कहा कि यह मामला केवल हत्या का नहीं, बल्कि सत्ता के दुरुपयोग और मानवीय गरिमा के उल्लंघन का है, और ऐसी स्थिति में उम्रकैद भी पर्याप्त नहीं है। साथियों बात अगर हम रेयरेस्ट ऑफ रेयर का सिद्धांत और इस केस में उसका अनुप्रयोग को समझने की करें तो,भारतीय न्याय प्रणाली में रेयरेस्ट ऑफ रेयर सिद्धांत का उपयोग बहुत ही सीमित मामलों में किया जाता है। यह सिद्धांत बचन सिंह बनाम स्टेट ऑफ़ पंजाब के ऐतिहासिक फैसले से विकसित हुआ, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मृत्युदंड केवल उन्हीं मामलों में दिया जाना चाहिए, जहां अपराध अत्यंत क्रूर, अमानवीय और समाज के लिए असाधारण खतरा हो।सातानकुलम केस में अदालत ने पाया कि पुलिसकर्मियों ने न केवल कानून का उल्लंघन किया, बल्कि वे स्वयं कानून के संरक्षक होने के बावजूद अपराधी बन गए। उन्होंने अपनी शक्ति का दुरुपयोग करते हुए निहत्थे और निर्दोष नागरिकों पर अत्याचार किया। इस प्रकार, यह मामला 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' की श्रेणी में पूरी तरह फिट बैठता है। साथियों बात अगर हम इस केस में सजा और मुआवजा न्याय का बहुआयामी दृष्टिकोण को समझने की करें तोअदालत ने केवल मृत्युदंड ही नहीं दिया, बल्कि दोषियों पर भारी जुर्माना भी लगाया और पीड़ित परिवार को 1 करोड़ 40 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। यह निर्णय न्याय के बहुआयामी दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें अपराधियों को सजा देने के साथ-साथ पीड़ितों को राहत देना भी शामिल है।मुआवजा राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं है, बल्कि यह राज्य की ओर से यह स्वीकारोक्ति भी है कि पीड़ितों के साथ अन्याय हुआ और उन्हें न्याय मिलना चाहिए। हालांकि, यह भी सच है कि किसी भी राशि से एक परिवार के दो सदस्यों की क्षति की भरपाई कभी भी नहीं की जा सकती। साथियों बात अगर हम इस केस में मृतक बाप बेटे के परिवार की प्रतिक्रियाः दर्द, संतोष और अधूरी शांति को समझने की करें तो फैसले के बाद जयराज और बेनिक्स के परिवार ने मिश्रित भावनाएँ व्यक्त कीं। एक ओर उन्हें यह संतोष था कि छह वर्षों की लंबी लड़ाई के बाद न्याय मिला, वहीं दूसरी ओर उनके मन में यह पीड़ा भी थी कि उनके प्रियजन कभी वापस नहीं आएंगे।परिवार ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह केवल उनके लिए नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए न्याय है जो पुलिस अत्याचार का शिकार होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस फैसले से भविष्य में ऐसे मामलों में कमी आने की सटीक रूप से उम्मीद है। साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीयप्रतिक्रिया मानवाधिकारों की वैश्विक चिंता के परिपेक्ष में समझने की करें तो इस मामले ने न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान आकर्षित किया। मानवाधिकार संगठनों ने इस घटना की कड़ी निंदा की और इसे पुलिस सुधार की आवश्यकता का उदाहरण बताया।विश्व स्तर पर यह सवाल उठाया गया कि क्या कानून लागू करने वाली एजेंसियों को इतनी शक्ति दी जानी चाहिए कि वे उसका दुरुपयोग कर सकें। इस घटना ने यह भी दिखाया कि लोकतांत्रिक देशों में भी मानवाधिकारों का उल्लंघन संभव है, यदि निगरानी और जवाबदेही की व्यवस्था मजबूत न हो। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि एक केस, अनेक संदेश, सातानकुलम कस्टोडियल डेथ केस केवल एक आपराधिक घटना नहीं है,बल्कि यहभारतीय समाज, न्याय व्यवस्था और प्रशासनिक ढांचे के लिए एक महत्वपूर्ण सबक है।यह मामला दिखाता है कि जब सत्ता का दुरुपयोग होता है, तो उसके परिणाम कितने भयावह हो सकते हैं।मदुरै कोर्ट का यह ऐतिहासिक फैसला न केवल पीड़ित परिवार को न्याय दिलाता है,बल्कि पूरे देश को यह संदेश भी देता है।

बेमौसम बारिश का कहर: किसानों की मेहनत पर प्रकृति की मार

भारत विश्व का एक प्रमुख कृषि प्रधान देश है, जहाँ आज भी बड़ी आबादी की आजीविका कृषि पर निर्भर है। दूसरे शब्दों में, भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा खेती-किसानी से जुड़ा हुआ है। यहाँ कृषि मुख्यतः प्रकृति, विशेषकर मानसून पर आधारित है, इसलिए इसे अक्सर मानसून का जुआ कहा जाता है।मार्च और अप्रैल का समय किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। वास्तव में, यही वह अवधि होती है जब रबी फसलें पककर तैयार हो जाती हैं और उनकी कटाई शुरू होती है।

सुनील कुमार महला

यह समय किसानों के लिए उनके पूरे वर्ष के परिश्रम और आशाओं के साकार होने का होता है। लेकिन विडंबना यह है कि हर वर्ष की तरह इस बार भी बेमौसम बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। तैयार खड़ी फसलें खेतों में ही नष्ट हो रही हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह स्थिति न केवल उनकी आजीविका को प्रभावित करती है, बल्कि कृषि क्षेत्र की अनिश्चितता को भी उजागर करती है।

बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान में उत्तर भारत के कई हिस्सों में बेमौसम मौसम का कहर देखने को मिल रहा है। राजस्थान के हाड़ौती और बीकानेर क्षेत्रों में हुई तेज ओलावृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है। खेतों में खड़ी गेहूं, सरसों और चना जैसी रबी फसलें, जो कटाई के लिए पूरी तरह तैयार थीं, अचानक गिरे ओलों और बारिश की मार से बर्बाद हो गईं। कई स्थानों पर ओलों की मोटी परत ने खेतों को सफेद चादर से ढक दिया, जो किसानों के लिए किसी प्राकृतिक आपदा से कम नहीं है।इसी प्रकार हरियाणा और पंजाब में भी ओलावृष्टि तथा तेज आंधी-बारिश ने भारी नुकसान पहुँचाया है। इन राज्यों में भी गेहूं की फसल कटाई के लिए तैयार थी, लेकिन अचानक बदले मौसम ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। फसलें खेतों में गिर गईं, दाने झड़

गए और उनकी गुणवत्ता प्रभावित हुई, जिससे बाजार में कीमतों पर भी असर पड़ने की आशंका है।

यहां पाठकों को यह बताता चलूं कि राजस्थान के जयपुर से जैसलमेर तक कई जिलों में तेज बारिश, आंधी और ओलावृष्टि दर्ज हुई।बीकानेर, जोधपुर, अजमेर, कोटा, भरतपुर और उदयपुर संभागों में भी इसका असर देखने को मिला।कई स्थानों पर बड़े आकार के ओले (नींबू जितने) गिरे, जिससे फसलों और मकानों को नुकसान हुआ। इसी तरह से पंजाब राज्य में गरज-चमक के साथ बारिश और कई स्थानों पर ओले गिरने की पुष्टि हुई है तथा 3-5 अप्रैल के दौरान ओलावृष्टि की चेतावनी और असर, विशेषकर मालवा- दोआबा क्षेत्रों में देखने को मिला।हरियाणा में भी 3-4 अप्रैल को तेज हवाएं, बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई। वहीं उत्तर प्रदेश के लखनऊ में ओलावृष्टि दर्ज हुई तो कानपुर, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा सहित पश्चिमी यूपी के कई जिलों में भी इसका असर देखने को मिला। 3-5 अप्रैल के बीच पश्चिमी यूपी और 4-5 अप्रैल को पूर्वी यूपी में ओलावृष्टि की स्थिति देखने को मिली। उत्तराखंड के चकराता क्षेत्र में ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान हुआ तथा 3-7 अप्रैल के बीच पर्वतीय क्षेत्रों में ओलावृष्टि और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया गया है। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश के साथ ओलावृष्टि और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी तथा 3-4 अप्रैल को अलग-अलग स्थानों पर ओले गिरने की चेतावनी और घटनाएं हुई।इसी प्रकार से जम्मू-कश्मीर के मैदानी क्षेत्रों में बारिश और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि, जबकि ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी तथा 4-9 अप्रैल के बीच गरज-चमक, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई।विशेषज्ञों के अनुसार, इस असामान्य मौसम का मुख्य कारण सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ है, जो बार-बार उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश और ओलावृष्टि ला रहा है। यह स्थिति कृषि पर निर्भर करोड़ों किसानों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है, क्योंकि उनकी आजीविका पूरी तरह प्रकृति पर निर्भर है। वास्तव में, देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार हो रही ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कृषि आज भी प्राकृतिक जोखिमों से घिरी हुई है। ऐसी स्थिति में किसानों को समय पर मुआवजा, फसल बीमा का लाभ और सटीक मौसम पूर्वानुमान उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि उनके नुकसान को कुछ हद तक कम किया जा सके।दिन-रात मेहनत करने के बाद भी यदि किसान को उसका उचित फल न मिले, तो उसका दर्द वही समझ सकता है जिसने उसे झेला हो। वर्तमान परिस्थितियों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की इसी मेहनत को प्रभावित किया है। पंजाब सहित कई राज्यों में गेहूं की फसल पकने के अंतिम चरण में है, और ऐसे समय में खराब मौसम से फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। यह स्थिति विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के लिए अत्यंत चिंताजनक है, जिनकी आजीविका पूरी तरह खेती पर निर्भर होती है। गौरतलब है कि आज भी देश के अधिकांश किसानों के पास सीमित संसाधन हैं, ऐसे में फसल खराब होने पर उनका आर्थिक संतुलन बिगड़ना स्वाभाविक है। यद्यपि सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से राहत के लिए कई योजनाएँ शुरू की हैं, फिर भी इनका लाभ हर जरूरतमंद किसान तक पहुँचना अभी भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। हाल फिलहाल, बैसाखी का पर्व निकट है, जो गेहूं की कटाई का प्रमुख समय माना जाता है। लेकिन मौसम की अनिश्चितता ने किसानों की चिंताओं को और बढ़ा दिया है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो उत्पादन में कमी आएगी, जिसका प्रभाव न केवल किसानों की आय पर पड़ेगा, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और जीडीपी पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। इस गंभीर परिस्थिति में कृषि विशेषज्ञों को ऐसी उन्नत तकनीकों का विकास करना चाहिए, जो बदलते मौसम के अनुसार फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। साथ ही, सरकार को प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा प्रदान करना चाहिए और अगली फसल के लिए आसान ऋण उपलब्ध कराना चाहिए। संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए जाने चाहिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके अतिरिक्त, अनाज मंडियों और भंडारण की समुचित व्यवस्था भी आवश्यक है। ताकि किसानों की उपज सुरक्षित रह सके और उन्हें उचित मूल्य मिल सके।

स्थगन आदेश के बावजूद भरण-पोषण केस की सुनवाई

नाराज हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले को किया निरस्त, प्रेसिडिंग-ऑफिसर से 15 दिन में मांगा जवाब

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस बीडी गुरु ने एक पारिवारिक केस में फैमिली कोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया है साथ ही इस केस में स्थगन आदेश के बाद भी सुनवाई कर फैसला देने पर सख्त नाराजगी जताई है मामले में हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के प्रेसीडिंग ऑफिसर को शोकाज नोटिस जारी कर 15 दिन के भीतर जवाब मांगा है पूरा मामला रायगढ़ फैमिली कोर्ट का है। दरअसल इस मामले में याचिकाकर्ता ने सिविल सूट (पारिवारिक विवाद) को रायगढ़ फैमिली कोर्ट से अन्य सक्षम न्यायालय में स्थानांतरित करने की मांग की थी। आरोप लगाया कि कोर्ट स्टाफ और प्रतिवादी की मिलीभगत से कार्यवाही प्रभावित हो रही है लगातार छोटी-छोटी तारीखें दी जा रही हैं। याचिकाकर्ता के दस्तावेजों में देरी की जा रही है जिससे निष्पक्ष सुनवाई पर संदेह जाहिर किया गया। स्टे के बावजूद सुनवाई जारी रखने पर हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी हाईकोर्ट ने 10 मार्च 2026 को इस मामले की सुनवाई के बाद याचिकाकर्ता को अंतरिम राहत देते हुए सिविल सूट की कार्यवाही पर रोक (स्टे) लगा दी थी इसके बावजूद फैमिली कोर्ट के प्रेसीडिंग ऑफिसर ने उसी दिन और 12 मार्च को भी मामले की सुनवाई की। जिसके बाद भरण-पोषण का आदेश जारी कर दिया। हाईकोर्ट ने पाया कि संबंधित जज को स्टे आदेश की जानकारी थी इसके बावजूद उन्होंने न केवल आवेदन पर आदेश पारित किया बल्कि भरण-पोषण राशि को लेकर याचिकाकर्ता के खिलाफ टिप्पणियां भी कीं। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि जब किसी उच्च न्यायालय द्वारा कार्यवाही पर रोक लगा दी जाती है तो निचली अदालत अपना अधिकार खो देता है ऐसी स्थिति में ट्रायल कोर्ट को आगे की कार्यवाही करने का अधिकार नहीं रहता। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने 10 मार्च और 12 मार्च 2026 के सभी आदेशों को अवैध मानते हुए निरस्त (सेट असाइड) कर दिया और निर्देश दिया कि संबंधित आवेदन पर दोबारा कानून के अनुसार सुनवाई की जाए। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के वकीलों ने बताया कि संबंधित प्रेसीडिंग ऑफिसर का तबादला हो चुका है और नए अधिकारी ने पदभार ग्रहण कर लिया है इस पर कोर्ट ने कहा कि अब ट्रांसफर याचिका का कोई औचित्य नहीं बचता इसलिए इसे निराकृत किया जाता है। हाईकोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए रजिस्ट्रार जनरल को निर्देश दिया है कि संबंधित प्रेसीडिंग ऑफिसर से 15 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण लिया जाए कि स्टे आदेश के बावजूद उन्होंने सुनवाई क्यों जारी रखी। यह रिपोर्ट मुख्य न्यायाधीश के समक्ष प्रशासनिक पक्ष में प्रस्तुत की जाएगी।

धन-गुरुनानक दरबार के रागी ने बनाई अश्लील-तस्वीर,ब्लैकमेल कर वसूले 20 लाख

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एआई के जरिए अश्लील फोटो बनाकर ब्लैकमेलिंग कर लाखों रुपए वसूली करने का बड़ा मामला सामने आया है धन गुरुनानक दरबार गुरुद्वारे के रागी ने कारोबारी की बेटी और महिला सदस्यों को बदनाम करने धमकी देकर अब 20 करोड़ की डिमांड कर रहा है। आरोपी रागी ने गुरुद्वारा में शबद-कीर्तन के दौरान महिला से पहचान बनाई थी पैसे नहीं देने पर वह तलवार लेकर वह कारोबारी के घर तक घुस गया पीड़ित परिवार ने घटना की रिपोर्ट रायपुर के तेलीबांधा में दर्ज कराई थी पुलिस ने शून्य में मामला दर्ज कर केस बिलासपुर के सिविल लाइन थाने में ट्रांसफर किया है। पुलिस के अनुसार कारोबारी परिवार की महिला अपने पति और बच्चों के साथ सिविल लाइन क्षेत्र में रहती हैं। घर के पास स्थित गुरुद्वारा में पूजा और कीर्तन के दौरान उसकी पहचान एक रागी मनिंदर सिंह से हुई थी वह मूलतः अमृतसर का रहने वाला है। मनिन्दर सिंह ने पहले परिवार से नजदीकी बढ़ाई फिर महिला और उसकी 18 साल की बेटी को शबद-कीर्तन सिखाने लगा। जिसके बाद मनिंदर ने परिवार के लोगों से उधार में पैसे लिए। लगातार कर्ज के नाम पर 5-10 हजार लेने लगा जब परिवार के लोगों ने उसे पैसे देने से मना किया तो उसने महिला को बदनाम करने की धमकी देना शुरू कर दिया। इस दौरान आरोपी ने व्हाट्सएप ग्रुप में महिला के चरित्र पर आपत्तिजनक पोस्ट भी डाले आरोप है कि मनिन्दर सिंह ने एआई तकनीक के जरिए अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। जिसके बाद परिवार को डराकर ब्लैकमेल करने लगा। उसकी हरकतों से डरकर परिवार ने किस्तों में करीब 20 लाख रुपए आरोपी को दे दिए। मनिंदर सिंह की लगातार धमकियों से डरे परिवार ने 16 मार्च 2026 की रात अपना घर छोड़ दिया जिसके बाद परिवार सहित रायपुर स्थित अपने मायके चली गई। वहां भी आरोपी ने उनका पीछा नहीं छोड़ा।

शिवपुरी में रातभर बारिश, सड़कें जलमग्न, 9 अप्रैल तक जारी रहेगा आंधी-बारिश का दौर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी में रात मौसम ने करवट ली रात 9 बजे के बाद तेज हवाओं के साथ शुरू हुई बारिश करीब एक घंटे तक जोरदार रही जिसके बाद पूरी रात रुक-रुक कर वर्षा होती रही सुबह शहर की कई सड़कों पर पानी भर गया जिससे आवागमन प्रभावित हुआ। मंगलवार दोपहर में भी आंधी-बारिश हुई थी जिसके बाद रात में मौसम फिर खराब हो गया रात लगभग 9 बजे तेज हवाओं के साथ वर्षा शुरू हुई जो लगभग एक घंटे तक जारी रही इस दौरान आसमान में बादलों की गड़गड़ाहट और बिजली चमकने का सिलसिला भी देखा गया तेज हवाओं का असर देर रात तक बना रहा आंधी के कारण कलेक्ट्रेट परिसर में लगा एक बड़ा होर्डिंग गिर गया था जो मौसम की तीव्रता को दर्शाता है हालांकि तेज हवाओं या आकाशीय बिजली से किसी बड़े नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। रातभर रुक-रुक कर हुई वर्षा से मौसम ठंडा हो गया जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली सुबह 9 बजे के बाद भी आसमान में बादल छाए रहे और बीच-बीच में धूप निकलती रही जिससे बादल और सूरज के बीच आंख-मिचौली चलती रही। मौसम विभाग के अनुसार मध्य प्रदेश में सक्रिय मौसमी सिस्टम के कारण 9 अप्रैल तक कई जिलों में आंधी, बारिश और गरज-चमक का दौर जारी रह सकता है शिवपुरी सहित ग्वालियर-चंबल और आसपास के संभागों में वर्षा और बिजली गिरने की संभावना बनी हुई है।

नर्मदापुरम में आईपीएल सट्टे की कार्रवाइ; 53 रन बनने का दांव लगाया

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। छोटी बजरिया पार्क के पास रात आईपीएल मैच पर सट्टा लगा रहे 25 वर्षीय युवक रोहित कहार को पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस को युवक के मोबाइल में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस के बीच हुए मैच में लगाए गए सट्टे का विवरण मिला है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कसेरा बाजार निवासी आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है नर्मदापुरम में तीन दिन के अंदर आईपीएल सट्टेबाजों पर पुलिस की यह दूसरी कार्रवाई है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार रात को राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल मैच खेला जा रहा था इसी दौरान आरोपी रोहित कहार (निवासी कसेरा बाजार, नर्मदापुरम) छोटी बजरिया पार्क के पास सट्टा लगा रहा था पुलिस द्वारा मोबाइल चेक करने पर उसमें एक निशि नाम के व्यक्ति की तरफ से 1 हजार रुपए का सट्टा लिखे होने की जानकारी मिली। इसमें 6 ओवर में 53 रन बनाने पर सट्टे की राशि देने का उल्लेख था। नर्मदापुरम में आईपीएल का सट्टा पकड़ने की पुलिस की यह तीन दिन में दूसरी कार्रवाई है। इससे पहले तीन दिन पूर्व भी पुलिस ने आईपीएल का सट्टा लिखते हुए एक अन्य आरोपी को पकड़ा था और उसके खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इस कार्रवाई को लेकर एसआई हेमंत निशोद ने बताया कि, 'मुखबिर से आईपीएल सट्टे की जानकारी मिली। जिस पर मौके पर पहुंचकर युवक को पकड़ा।

220 बिस्तरीय अस्पताल निर्माण को मिली मंजूरी, 10 अप्रैल को होगी नियंत्रित ब्लास्टिंग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में बहुप्रतीक्षित 220 बिस्तरीय अस्पताल के निर्माण कार्य को अब गति मिलने जा रही है निर्माण स्थल पर कठोर चट्टानों के कारण फाउंडेशन कार्य में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए 10 अप्रैल 2026 को नियंत्रित ब्लास्टिंग की जाएगी। इस संबंध में अनुविभागीय दण्डाधिकारी द्वारा विधिवत आदेश जारी कर अनुमति प्रदान की गई है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कार्यपालन अभियंता द्वारा प्रस्तुत आवेदन में निर्माण स्थल पर हार्ड रॉक की मौजूदगी के चलते ब्लास्टिंग की आवश्यकता जताई गई थी प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया और पुलिस थाना सिटी कोतवाली मनेंद्रगढ़ तथा नगर पालिका परिषद से अनापत्ति प्राप्त की। स्थल निरीक्षण, सुरक्षा मानकों की जांच और विस्तृत परीक्षण के उपरांत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। अनुमोदन के आधार पर अनुविभागीय दण्डाधिकारी ने विस्फोटक अधिनियम 1884 की धारा 6(क) तथा विस्फोटक नियम 2008 के नियम 112, 113 और 115 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए सीमित अवधि के लिए ब्लास्टिंग की अनुमति दी है जारी आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि ब्लास्टिंग कार्य केवल लाइसेंसधारी विशेषज्ञ की प्रत्यक्ष निगरानी में किया जाएगा। उपयोग में लाए जाने वाले विस्फोटक पदार्थों को केवल अधिकृत विक्रेताओं से खरीदा जाएगा और उनका भंडारण एवं परिवहन पूर्णतः नियमानुसार किया जाएगा। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ब्लास्टिंग से पूर्व संबंधित क्षेत्र को पूरी तरह से खाली कराया जाएगा और न्यूनतम सुरक्षा परिधि निर्धारित की जाएगी। इसके साथ ही स्थल पर चेतावनी संकेत, लाल झंडे और सूचना बोर्ड लगाए जाएंगे ताकि आमजन को पूर्व जानकारी मिल सके और वे सुरक्षित दूरी बनाए रखें आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि आवासीय क्षेत्रों, विद्यालयों, अस्पतालों और सार्वजनिक मार्गों से पर्याप्त दूरी सुनिश्चित की जाएगी।

ढीमर मोहल्ले में डेढ़ साल से पानी बंद, महिला ने 8 लाख की एफडी वापस मांगी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जनसुनवाई के दौरान वार्ड 36 के ढीमर मोहल्ले का पानी संकट सामने आया महिलाओं ने कलेक्टर को बताया कि नगर पालिका ने करीब डेढ़ साल पहले उनके घरों में नल कनेक्शन दिए थे लेकिन आज तक पानी की सप्लाई शुरू नहीं हुई इसके बावजूद लगातार पानी के बिल वसूले जा रहे हैं। पूजा कोली नामक महिला ने बताया कि पानी न मिलने के कारण उन्होंने पिछले तीन महीने से बिल जमा नहीं किया है अब नगर पालिका उन पर पेनल्टी लगाने की बात कह रही है महिलाओं ने कलेक्टर से जल्द पानी की सप्लाई शुरू कराने और अनावश्यक बिल वसूली रोकने की मांग की है। बीमार महिला ने मांगी अपनी एफडी की राशि जनसुनवाई में दूसरा मामला महाराष्ट्र के पुणे की सोनिया त्रिपाठी का सामने आया उन्होंने शिकायत की कि सहकारिता बैंक में उनकी 8 लाख रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) है लेकिन बैंक उनका पैसा वापस नहीं कर रहा है। सोनिया त्रिपाठी ने बताया कि वह गंभीर रूप से बीमार हैं उनके दिमाग की दो नसों में क्लॉट जमा है जिसके इलाज के लिए ऑपरेशन आवश्यक है आर्थिक तंगी के कारण वह अपना इलाज नहीं करा पा रही हैं। उन्होंने बताया कि बैंक ने पहले उन्हें 30 हजार रुपये देकर टाल दिया था और बाद में पूरी राशि देने का आश्वासन दिया था लेकिन अब तक पैसा नहीं मिला है सोनिया ने प्रशासन से जल्द से जल्द उनके पैसे दिलाने की मांग की है ताकि वह अपना इलाज करा सकें और अपने छोटे बच्चे की जिम्मेदारी निभा सकें।

जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल का उर्वरक प्रतिष्ठानों पर औचक निरीक्षण

अनियमितता पाए जाने पर विक्रय पर रोक, कलेक्टर के निर्देश पर सख्त कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। किसानों को समय पर और उचित दर पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं कलेक्टर के निर्देश पर विकासखंड मनेन्द्रगढ़ में जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल द्वारा निजी और सहकारी उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया जिसमें कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। निरीक्षण के दौरान आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 और उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों पर तत्काल प्रभाव से उर्वरक विक्रय पर रोक लगा दी गई प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति देखी गई और अन्य विक्रेताओं में भी सतर्कता बढ़ गई है। उड़नदस्ता दल को जांच के दौरान कई प्रकार की अनियमितताएं मिलीं इनमें प्रमुख रूप से स्टॉक बोर्ड और मूल्य सूची का प्रदर्शन नहीं करना स्टॉक रजिस्टर का संधारण नहीं करना बिना वैध प्राधिकार पत्र के उर्वरक विक्रय, पीओएस मशीन से रसीद जारी नहीं करना और स्टॉक में अंतर जैसी गंभीर लापरवाहियां शामिल हैं इन सभी उल्लंघनों को गंभीर मानते हुए संबंधित प्रतिष्ठानों के उर्वरक स्टॉक के विक्रय पर 21 दिनों के लिए प्रतिबंध लगाया गया है। इसके साथ ही संबंधित संचालकों को 7 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। जहां-जहां अवैध भंडारण पाया गया वहां तत्काल स्टॉक को नियंत्रित कर विक्रय पूरी तरह से रोक दिया गया है निरीक्षण के दौरान केल्हारी स्थित फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड में 61 बैग एसएसपी (तुलसी फॉस्फेट लिमिटेड) का अवैध भंडारण पाया गया साथ ही स्टॉक रजिस्टर में अनियमितता और पीओएस प्रणाली का पालन नहीं किया जा रहा था इसके चलते संबंधित स्टॉक के विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया। इसी तरह रवि बीज भंडार, केल्हारी में बिना प्राधिकार पत्र के उर्वरक विक्रय और बिना प्रिंसिपल सर्टिफिकेट के कीटनाशी बिक्री करते पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की गई। यहां एनपीके (2 बैग), एसएसपी (5 बैग) और एमओपी (10 किलोग्राम) के अवैध भंडारण पर भी रोक लगाई गई यह पूरी कार्रवाई उप संचालक कृषि, जिला एमसीबी के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। उड़नदस्ता दल में जिला स्तरीय उर्वरक निरीक्षक एवं नोडल अधिकारी महेश पैकरा, उर्वरक निरीक्षक जितेन्द्र झा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे। उप संचालक कृषि ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी और किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ऐसे मामलों में लाइसेंस निरस्तीकरण सहित कठोर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे उर्वरक, बीज और कीटनाशक केवल लाइसेंसधारी विक्रेताओं से ही खरीदें और पीओएस मशीन से रसीद अवश्य प्राप्त करें। यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता या अधिक मूल्य वसूली की जानकारी मिलती है, तो इसकी सूचना तुरंत कृषि विभाग को दें।

निजी गोदाम में प्रशासन का छापा, 15 क्विंटल पीडीएस चावल ज़ब्त, गोदाम सील

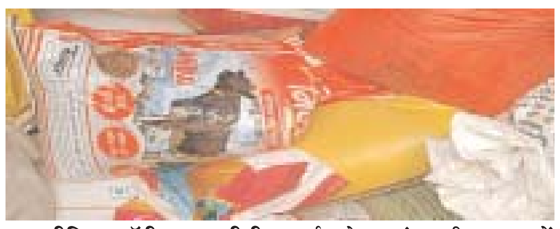

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के चिरमिरी क्षेत्र में अवैध रूप से सरकारी राशन के भंडारण के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक निजी गोदाम पर छापेमारी की गोदरीपारा स्थित एकता नगर मुख्य मार्ग पर संचालित गोदाम से करीब 15 क्विंटल सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का चावल बरामद किया गया है। प्रशासन को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि एकता नगर इलाके में स्थित एक निजी गोदाम में सरकारी राशन का अवैध भंडारण किया जा रहा है शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने एक संयुक्त टीम का गठन किया जिसमें खाद्य विभाग के अधिकारी और स्थानीय पुलिस बल के जवान शामिल थे। निर्धारित योजना के तहत टीम ने गोदाम पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान गोदाम का ताला खुलवाकर जब अंदर जांच की गई तो वहां भारी मात्रा में चावल रखा हुआ मिला प्राथमिक जांच में यह चावल सार्वजनिक वितरण प्रणाली का पाया गया जिसे अवैध रूप से संग्रहित किया गया था। कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने मौके पर ही लगभग 15 क्विंटल पीडीएस चावल को ज़ब्त कर लिया और संबंधित गोदाम को सील कर दिया अधिकारियों के अनुसार मामले की गंभीरता को देखते हुए आगे की जांच जारी है। मौके पर मौजूद एसडीएम चिरमिरी ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि अवैध भंडारण की शिकायत प्राप्त होने के बाद टीम के साथ छापेमारी की गई जिसमें बड़ी मात्रा में सरकारी चावल बरामद हुआ उन्होंने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और प्रकरण को आगे की कार्रवाई के लिए कलेक्टर एमसीबी के न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

सचिन तेंदुलकर परिवार का सीक्रेट बिलासपुर दौरा

अचानकमार के आदिवासी गांव पहुंचा सचिन तेंदुलकर का परिवार ,पत्नी,बेटी और बहू ने बच्चों संग बिताया समय

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। भारत रत्न और पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर का परिवार सुबह साढ़े 5 बजे बिलासपुर पहुंचा। यह दौरा पूरी तरह गोपनीय रखा गया जिससे परिवार ने बिना किसी सार्वजनिक सूचना के शहर और ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा किया सचिन की पत्नी डॉ. अंजलि तेंदुलकर, बेटी सारा और बहू सानिया चंडोक तेंदुलकर ग्रामीणों से मिलीं। दोपहर में उनका काफिला लोरमी स्थित अचानकमार क्षेत्र के छपरवा-बम्हनी गांव पहुंचा यहां तीनों ने पैदल भ्रमण कर ग्रामीणों से बातचीत की और उनके जीवन को करीब से समझने का प्रयास किया। गांव में नवजात शिशु को गोद में लेकर स्नेह जताना, बच्चों के साथ सहज बातचीत करना और स्थानीय माहौल में घुलना-मिलना इस दौरे की खास झलक रही परिवार ने सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के तहत चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। परिवार ने बच्चों को खिलौने दिए और उनके साथ समय बिताया ग्रामीणों से बातचीत के दौरान जीवनशैली, जरूरतों और समस्याओं को समझने पर खास फोकस रहा इससे यह दौरा सिर्फ औपचारिक न रहकर जमीनी जुड़ाव का प्रयास नजर आया। सुबह नाश्ते के बाद तीनों गनियारी प्राइमरी हेल्थ सेंटर पहुंचीं यहां स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया गया और फुलवारी केंद्र का निरीक्षण किया गया डॉक्टरों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। ग्रामीणों ने बताया कि गनियारी जन स्वास्थ्य समिति वनांचल के विभिन्न गांवों में निःशुल्क स्वास्थ्य और शिक्षा कार्यक्रम संचालित करती है तेंदुलकर परिवार ने समिति की तरफ से संचालित फुलवारी केंद्र का अवलोकन किया। उन्होंने ग्राम बम्हनी में जनस्वास्थ्य उपकेंद्र और बालवाड़ी में वनक्षेत्र के गरीब बच्चों के रहन-सहन और उपस्वास्थ्य केंद्र के संचालन को करीब से देखा। फुलवारी केंद्र में बैगा बच्चों के पोषण और शिक्षा की स्थिति के बारे में जानकारी ली। समिति की चिकित्सकीय टीम ने उन्हें स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बारे में बताया। इस दौरान ग्रामीण महिलाओं ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। ग्रामीणों ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं तेंदुलकर परिवार ने वनांचल में ग्रामीणों की जीवन शैली और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी भी जुटाई।

कृषि उप संचालक बोले किसान बोवनी-कटाई में व्यस्त :

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मप्र में 31 मार्च से चना और मसूर की एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर खरीदी शुरू हो चुकी है। मंडी स्तरीय 16 केंद्र बनाएं है। खरीदी को 8 दिन बीत चुके है जिसमें अब तक एक भी दाना चने का नहीं खरीदा गया है जिसकी वजह न बारदाने थे और स्लॉट की बुकिंग हुई ।जिस कारण किसान अपनी उपज नहीं बेच पाएं। जबकि कृषि उप संचालक रविकांत सिंह व्यवस्था की खामियों पर पर्दा डालते हुए किसानों पर ही दोषारोपण कर रहे उनका कहना है कि खरीदी चल रही है। बस किसान ही मूंग की बोवनी में और गेहूं-चना की व्यस्त था। इसलिए वो अपनी फसल बेचने नहीं आ पाया। ऐन वक्त पर 16 गोदाम स्तरीय केंद्रों को अनाज मंडियों में शिफ्ट करने के फैसले के कारण यह देरी हुई है। इसके चलते मंगलवार से स्लॉट की बुकिंग शुरू हो पाई है ।मंगलवार शाम तक 985 किसान अपना स्लॉट बुक हुए ।वर्तमान में खरीदी में देरी को लेकर कांग्रेस पार्टी जगह-जगह विरोध प्रदर्शन कर रही है।

सीहोर में नर्मदा नदी में अवैध रेत खनन पर कार्रवाई प्रशासन ने आधा दर्जन से अधिक पनडुब्बियां जब्त कीं

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में नर्मदा नदी के विभिन्न घाटों पर अवैध रेत खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन और खनिज विभाग ने बीती रात बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान आधा दर्जन से अधिक पनडुब्बियां जब्त की गईं। जानकारी के अनुसार, खनिज विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम ने विभिन्न खदानों पर छापा मारा। यह कार्रवाई पूरी रात जारी रही, जिसका उद्देश्य नर्मदा नदी से रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन को रोकना था। प्रशासन ने इस मामले में अब सख्त रुख अपना लिया है। उल्लेखनीय है कि सीहोर जिले में खनिज गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए राज्य स्तरीय दल का भी गठन किया गया है। स्थानीय विभाग भी लगातार ऐसी कार्रवाइयां कर रहा है। जिले में अवैध खनिज गतिविधियों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1 अप्रैल 2025 से 18 दिसंबर 2025 तक अवैध खनिज परिवहन, उत्खनन और भंडारण के कुल 306 मामले दर्ज किए गए। इन मामलों में लगभग 1 करोड़ 27 लाख 18 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया, जिसमें से 1 करोड़ 26 लाख 57 हजार रुपये की वसूली की जा चुकी है। इसी अवधि में बड़ी संख्या में वाहन और मशीनें भी जब्त की गई, जिनमें 218 ट्रैक्टर-ट्रॉली, 43 डंपर, 6 पोकलेन, 22 जेसीबी के साथ-साथ पनडुब्बियां, लोडर और अन्य उपकरण शामिल हैं। 19 दिसंबर 2025 से अब तक कुल 66 नए प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इनमें 24 लाख 36 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया और लगभग 23 लाख 75 हजार रुपये की वसूली की गई। इस नवीनतम कार्रवाई के दौरान 53 ट्रैक्टर-ट्रॉली, 2 डंपर, 7 जेसीबी और अन्य मशीनरी जब्त की गई है।

'संवाद से समाधान' संवाद से समाधान कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, राजगढ (निप्र)। जिले के आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान हेतु कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा 'संवाद से समाधान' कार्यक्रम की अभिनव पहल शुरू की गई है। यह कार्यक्रम प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई से पूर्व आयोजित किया जाता है। इसमें विभागीय अधिकारी, कर्मचारी और शिकायतकर्ता आमने-सामने बैठकर शिकायतों का समाधान करते हैं। इस सप्ताह जल निगम व पीएचई विभाग से संबंधित 5 शिकायतों की समीक्षा की गई है। कलेक्टर डॉ. मिश्रा स्वयं प्रत्येक शिकायत को व्यक्तिगत रूप से सुन कर मौके पर ही उसका समाधान सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। यह पहल न केवल अधिकारियों में जवाबदेही स्थापित कर रही है, बल्कि आम नागरिकों और जिला प्रशासन के बीच सीधा संवाद भी स्थापित कर रही है। 'संवाद से समाधान' ने आमजन के बीच प्रशासन के प्रति विश्वास और पारदर्शिता को और मजबूत किया है। मंगलवार को आयोजित संवाद से समाधान कार्यक्रम में शिकायतकर्ता श्री बालचंद दांगी द्वारा बताया गया कि ग्राम रामगढ़ में उनके घर में जल निगम द्वारा पानी का सप्लाई किया जा रहा हैं। जिसमें पानी की पाईप लाईन लिकेज हो रही हैं। जिससे शिकायतकर्ता को पानी नहीं मिल पा रहा हैं। कलेक्टर ने शिकायत की गंभीरता को देखते हुए 6 माह बाद भी शिकायत का निराकरण नहीं करने पर विभाग को कारण बताओ नोटिस जारी के निर्देश दिए। शिकायतकर्ता श्री अशोक तंवर द्वारा बताया गया कि ग्राम कांसी में मध्यप्रदेश जल निगम द्वारा पाईप लाईन डाली हुई है। एक साल से पानी नहीं आ रहा है। जिससे आवेदक को काफी समस्या हो रही हैं। शिकायत को गंभीरता से नहीं लेने पर संबंधित के खिलाफ कमिश्नर को पत्र लिखने के निर्देश दिए। इसी प्रकार शिकायतकर्ता श्री बिरम धनघर ग्राम सेमली, शिकायतकर्ता श्री पवन सिंह ग्राम पिपिल्या धाकड़, शिकायतकर्ता श्री रमेश चन्द्र मालवीय की शिकायतों का सात दिवस में निराकरण कर अगले मंगलवार संवाद से समाधान कार्यक्रम में पुनः जल निगम व पीएचई की शिकायतों को लगाने के निर्देश लोक सेवा प्रबंधक को दिए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. गढ़पाले के निर्देशन में 'पुस्तक मेले के सफल आयोजन हेतु बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, राजगढ़ (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले के निर्देशन में मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में पुस्तक मेले के सफल आयोजन हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीपीसी, एपीसी, बीईओ, बीआरसीसहित शिक्षा विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मेले के सुचारू एवं सफल आयोजन के संबंध में विस्तृत निर्देश दिये गये। बैठक में निर्णय लिया गया कि जिले में पुस्तक मेले का आयोजन 15, 16 एवं 17 अप्रैल, 2026 को किया जाएगा। मेले के सफल क्रियान्वयन हेतु अनुविभागीय (राजस्व) अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। पुस्तक मेले के आयोजन हेतु अनुविभागीय (राजस्व) अधिकारी नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी के रूप में मुख्य नगर पालिका अधिकारी रहेंगे। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि जिले के सभी विकासखंडों में एक साथ मेले का आयोजन किया जाएगा। सभी पुस्तकों पर, बिग बॉटल, स्कूल ड्रेस, शूज सभी पर 25 प्रतिशत तक डिस्काउंट रखा जाए। बीईओ इसके लिए कार्रवाई करेंगे। इस दौरान समस्त विक्रेता मेले में सहभागिता करेंगे। कोई विक्रेता बाजार में विक्रय नहीं करेंगे। मेले के प्रचार प्रसार हेतु बीआरसी एवं बीईओ को निर्देश दिए गए, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों को लाभ मिल सके।बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी आवश्यक तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण की जाएं। बैठक के अंत में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. गढ़पाले द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए आयोजन को सफल बनाने के निर्देश दिए गए।

विदिशा में समाधान योजना के द्वितीय चरण को 15 मई तक बढ़ाया गया,

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, द्वारा संचालित समाधान योजना 2025-26 के द्वितीय चरण की अवधि को उपभोक्ताओं की सक्रिय भागीदारी को देखते हुए डेढ़ माह के लिए बढ़ा दिया गया है। अब यह योजना 15 मई 2026 तक प्रभावी रहेगी, जिसमें बकायादार उपभोक्ताओं को सरचार्ज में 90 प्रतिशत तक की छूट का लाभ मिल सकेगा। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, अब तक विदिशा वृत के 67 हजार 284 बकायादार उपभोक्ताओं ने योजना में पंजीयन कर लाभ प्राप्त किया है। इन उपभोक्ताओं द्वारा 24 करोड़ 03 लाख रुपए की मूल बकाया राशि जमा की गई है, जबकि 6 करोड़ 30 लाख रुपए का सरचार्ज माफ किया गया है।

ट्रक में घुसी तेज रफ्तार स्लीपर बसरतलाम-इंदौर फोरलेन पर हादसा, बाड़मेर के 5 यात्री घायल

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम-इंदौर फोरलेन पर बिलपांक थाना क्षेत्र के रत्तागिरी फंटे के पास बुधवार सुबह करीब 7 बजे एक तेज रफ्तार प्राइवेट स्लीपर बस आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। जोधपुर से इंदौर जा रही गजराज ट्रेवल्स की इस बस में सवार राजस्थान (बाड़मेर) के 5 यात्री घायल हो गए।

हादसे का कारण ट्रक का स्टीयरिंग फेल होना बताया जा रहा है। लोगों का कहना है कि सड़क पर रिपेयरिंग के बाद बारीक गिट्टी भी पड़ी हुई थी। वर्तमान में सातरुंडा चौकी पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को रतलाम मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया है और क्रेन की मदद से बस को सड़क से हटाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।**अचानक ब्रेक लगाने से घुसी बस, हो रही थी हल्की बारिशः** जानकारी के अनुसार, गजराज ट्रेवल्स की प्राइवेट स्लीपर बस जोधपुर से आकर रतलाम होते हुए इंदौर जा रही थी। बुधवार सुबह करीब 7 बजे (रतलाम से 27 किमी दूर) रत्तागिरी फंटे के टर्न के पास आगे चल रहे ट्रक ने अचानक से ब्रेक लगा दिए। तेज रफ्तार होने के कारण बस ड्राइवर कंट्रोल नहीं कर पाया और बस सीधे ट्रक में जा घुसी। जिस समय यह दुर्घटना हुई, उस समय हल्की बारिश भी हो रही थी। टक्कर से बस का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कांच फूट गए। हादसे के समय अधिकतर यात्री सो रहे थे।

हादसे में बाड़मेर के ये 5 यात्री हुए घायलः इस दुर्घटना में राजस्थान के बाड़मेर निवासी 5 लोग घायल हुए हैं। घायलों में शेरू (पिता सोलाराम), अंबाराम (पिता धुलाराम), राजू (पिता उगमा), विशाल (पिता हेमराज) और कृष्णा (पिता जयराम) शामिल हैं।

सूचना मिलते ही सातरुंडा पुलिस चौकी से पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और फोरलेन की एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया।**सड़क पर बिछी है बारीक गिट्टीः** हादसे के पीछे सड़क निर्माण की खामी भी सामने आई है। फोरलेन पर कुछ दिन पूर्व ही रिपेयरिंग कर सड़क बनाई गई है। सड़क बनाते समय डामर का चिकन स्लैब लगाया गया और उसमें बारीक गिट्टी डाल दी गई है। इसके कारण यहां आए दिन वाहन स्लिप होकर हादसों का शिकार हो रहे हैं। **चौकी प्रभारी बोले- ट्रक का स्टीयरिंग फेल होने से लगाया था ब्रेक** सातरुंडा पुलिस चौकी प्रभारी लोकेश डाबर ने पूरी घटना की जानकारी देते हुए बताया कि, 'ट्रक का स्टेयरिंग फैल होने कारण ड्रायवर ने ब्रेक लगाया।

खंडवा में नाश्ते के दाम 50 प्रतिशत तक बढ़ाए,10 का पोहा-समोसा अब 15 रुपए में मिल रहा

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में नाश्ता एसोसिएशन ने नाश्ते के दामों में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि कर दी हैं। अब तक 10 रूपए में मिलने वाला पोहा-समोसा और कचोरी अब 15 रूपए में मिलने लग गई हैं। होटल वालों ने नये रेट आज 7 अप्रैल से लागू कर दिए हैं। जो कि शहर की सभी बड़ी होटलों पर प्रभावशाली हो चुके हैं।प्रसिद्ध लाला जलेबी भंडार के संचालक बादल शर्मा ने बताया कि, दामों में वृद्धि की सबसे बड़ी वजह महंगाई हैं। पिछले 6 साल से नाश्ते के रेट एक जैसे थे, लेकिन अब अचानक से कमर्शियल गैस के दाम बढ़ा दिए गए। कुछ होटल वालों ने भट्टी की ओर रूख किया तो उधर कोयला के दाम बढ़ गए। एक तरफ सोयाबीन तेल के दामों में भी बेतहाशा वृद्धि हो रही हैं। इन्हीं सब चीजों को मद्देनजर रखते हुए भावों में वृद्धि का फैसला लिया गया हैं। इन फूड आइट्मस के दाम बढ़ाए गए।

मंदसौर में अवैध देसी कट्टे के साथ आरोपी गिरफ्तार नई आबादी पुलिस ने की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नई आबादी थाना पुलिस ने एक आरोपी को अवैध देसी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए हथियार की अनुमानित कीमत करीब 7 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से रिवाल्वर जैसा दिखने वाला एक अवैध देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस जब्त किया। यह मंगलवार शाम मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर की गई। पुलिस ने जुझार सिंह (40) पिता सरदार सिंह सिसोदिया, निवासी सीतामऊ फाटक, थाना नई आबादी, जिला मंदसौर को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अवैध हथियार के साथ पकड़ा गया। आरोपी के खिलाफ थाना नई आबादी में अपराध क्रमांक 57/2026 दर्ज किया गया है। उस पर आयुध अधिनियम की धारा 25 और 27 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पूरी कार्रवाई पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश और एसपी विनोद कुमार मीणा के मार्गदर्शन में की गई। जिलेभर में अवैध हथियारों की धरपकड़ के लिए सख्त अभियान चलाया जा रहा है।

नर्मदापुरम में आईपीएल सट्टे की कार्रवाई मोबाइल में मिला राजस्थान-मुंबई मैच का हिसाब; 53 रन बनने का दांव लगाया

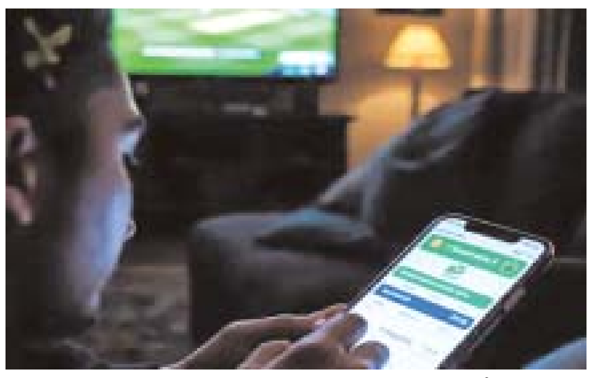

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में छोटी बजरिया पार्क के पास मंगलवार रात आईपीएल मैच पर सट्टा लगा रहे 25 वर्षीय युवक रोहित कहार को पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस को युवक के मोबाइल में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस के बीच हुए मैच में लगाए गए सट्टे का विवरण मिला है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कसेरा बाजार निवासी आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। नर्मदापुरम में तीन दिन के अंदर आईपीएल सट्टेबाजों पर पुलिस की यह दूसरी कार्रवाई है।

निशि नाम के व्यक्ति ने लगाया था 1 हजार का सट्टाः जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात को राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल मैच खेला जा रहा था। इसी दौरान आरोपी रोहित कहार (निवासी कसेरा बाजार, नर्मदापुरम) छोटी बजरिया पार्क के पास सट्टा लगा रहा था। पुलिस द्वारा मोबाइल चेक करने पर उसमें एक निशि नाम के व्यक्ति की तरफ से 1 हजार रुपए का सट्टा लिखे होने की जानकारी मिली। इसमें 6 ओवर में 53 रन बनाने पर सट्टे की राशि देने का उल्लेख था।

3 दिन में सट्टेबाजों पर पुलिस की दूसरी कार्रवाईः नर्मदापुरम में आईपीएल का सट्टा पकड़ने की पुलिस की यह तीन दिन में दूसरी कार्रवाई है। इससे पहले तीन दिन पूर्व भी पुलिस ने आईपीएल का सट्टा लिखते हुए एक अन्य आरोपी को पकड़ा था और उसके खिलाफ कार्रवाई की गई थी।

स्ढ बोले- मुखबिर की सूचना पर पकड़ाः इस कार्रवाई को लेकर एसआई हेमंत निशोद ने बताया कि, 'मुखबिर से आईपीएल सट्टे की जानकारी मिली। जिस पर मौके पर पहुंचकर युवक को पकड़ा। उसके मोबाइल में सट्टे का उल्लेख मिला। जिस पर कार्रवाई की गई है। '

मंदसौर में आंधी-तूफान, बोट से गिरी युवती की मौत शादी समारोह में जा रही थी आशा, रात में मिला शव

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में मंगलवार देर शाम से रात तलक आए तेज आंधी-तूफान ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। तेज हवाओं के चलते जहां कई जगह पेड़ गिर गए, वहीं शादी समारोहों के लिए लगाए गए पंडाल तक उखड़ गए। इस बीच एक दर्दनाक हादसे में मोटर बोट (स्टीमर) से नदी में गिरने पर एक युवती की मौत हो गई।

नदी में डोली बोट, युवती गिरी पानी में: जानकारी के अनुसार, गांव कुशालपुरा निवासी 24 वर्षीय आशा पिता कन्हैयालाल सूर्यवंशी, गांव खात्याखेड़ी में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने जा रही थी। इसी दौरान ग्राम ढौरी के पास नदी पार करते समय तेज हवा के झोंकों से मोटर बोट अनियंत्रित हो गई। बोट के डोलने से आशा संतुलन खो बैठी और नदी में गिर गई।

घंटों चला रेस्क्यू ऑपरेशन, देर रात मिला शवः घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे।

नाहरगढ़ थाना पुलिस ने स्थानीय गौताखोरों और एसडीईआरएफ की मदद से तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। काफी मशक्कत और घंटों की खोजबीन के बाद मंगलवार देर रात युवती का शव नदी से बरामद हुआ।

पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा शवः शव को पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र नाहरगढ़ लाया गया है। बुधवार सुबह पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

परिवार में पसरा मातम, इलाके में शोक की लहरः अचानक हुए इस हादसे से मृतका के परिवार में गहरा शोक है और पूरे क्षेत्र में घटना को लेकर दुख का माहौल है।

रायसेन में खेत में आग, 3 एकड़ फसल जलीः बारिश के अलर्ट से किसान चिंतित, प्रशासन से मांगी मदद

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में किसानों को दोहरी मार का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर जहां आग लगने की घटनाओं से फसलें जल रही हैं, वहीं दूसरी ओर ओलावृष्टि और मौसम परिवर्तन से भी फसलों को नुकसान हो रहा है। कल मंगलवार शाम को सुल्तानगंज क्षेत्र में खेत में आग लगने से तीन एकड़ गेहूं की कटी हुई फसल जलकर राख हो गई। घटना ग्राम पंचायत खमरिया टीएनजी के केरपानी गांव में हुई। अज्ञात कारणों से खेत में आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और कटी हुई फसल को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई, लेकिन समय पर मदद नहीं पहुंच पाई। इसके बाद ग्रामीणों ने खुद मोर्चा संभाला और करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस हादसे में एक ही परिवार के जसरथ यादव, रामकुमार यादव और जसवंत यादव की पूरी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। फसल जलने की इस घटना के बीच रायसेन जिले में मौसम भी किसानों की चिंता बढ़ा रहा है। बुधवार सुबह से आसमान में काले बादल छाए हुए हैं और तेज हवाएं चल रही हैं। पहले ही मौसम की मार से फसलों को नुकसान हो चुका है और अब फिर बारिश के आसार बनने से किसान चिंतित हैं। बता दे रायसेन में एक सप्ताह से मौसम बदला हुआ है कभी आंधी बारिश के साथ ओलावृष्टि हो रही है तो कभी बारिश मौसम विभाग के द्वारा जिले में 7 अप्रैल तक आंधी बारिश का अलर्ट जारी किया था।

क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, पीड़िता के 85 हजार वापस मिले:बुरहानपुर साइबर सेल ने की कार्रवाई

कार्ड बंद कराने के नाम पर ठगे थे 87 हजार

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले के लालबाग थाना क्षेत्र में क्रेडिट कार्ड बंद कराने का झांसा देकर एक महिला से हुई 87,243 रुपए की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 85,440 रुपए वापस करा दिए हैं। अज्ञात जालसाज ने पीड़िता पूजा पुजारी से ओटीपी पूछकर ठगी की थी, जिसकी तत्काल शिकायत के बाद साइबर सेल और लालबाग पुलिस ने बैंकों से समन्वय कर राशि होल्ड करा ली। वर्तमान में आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद होल्ड की गई राशि पीड़िता के बैंक खाते में सुरक्षित वापस कर दी गई है और पुलिस ने आम जनता से ऑनलाइन ठगी होने पर 1930 पर शिकायत करने की अपील की है।

क्रेडिट कार्ड बंद कराने का झांसा देकर पूछा ओटीपी: जानकारी के अनुसार, लालबाग निवासी पूजा पुजारी को अज्ञात जालसाज ने क्रेडिट कार्ड बंद कराने का झांसा दिया था। बातों में आकर पीड़िता ने अपना ओटीपी साझा कर दिया, जिसके बाद उनके खाते से कुल 87,243 रुपए की धोखाधड़ी हो गई। खाते से राशि निकलते ही पीड़िता ने तत्काल पुलिस से संपर्क किया और लालबाग थाने पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई।

पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर बैंकों से किया समन्वयः एसपी देवेंद्र पाटीदार के निर्देश पर लालबाग थाने के साइबर हेल्प डेस्क के आरक्षक दीपांशु पटेल ने तुरंत नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (हृष्टक्रक्क) पर वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज की। इसके बाद एक विशेष साइबर टीम (आरक्षक दुर्गेश पटेल, सत्यपाल बोपचे, ललित चौहान, शक्तिसिंह तोमर और दीपांशु पटेल) ने विभिन्न बैंकों के साथ लगातार समन्वय स्थापित किया। टीम के प्रयासों से धोखाधड़ी की गई राशि में से 85,440 रुपए को सफलतापूर्वक होल्ड करा लिया गया, जो अब पीड़िता के खाते में वापस आ चुके हैं।

एसपी ने की टीम की सराहना, 1930 पर कॉल करने की अपीलः एसपी देवेंद्र पाटीदार ने मामले के त्वरित निराकरण में साइबर सेल टीम और साइबर हेल्प डेस्क के उत्कृष्ट कार्य की सराहना की है। इसके साथ ही बुरहानपुर पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि कोई ऑनलाइन धोखाधड़ी होती है, तो तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। जिले के सभी थानों में साइबर हेल्प डेस्क की सुविधा भी उपलब्ध है, जहां साइबर संबंधी शिकायतें तुरंत दर्ज कराई जा सकती हैं।

छतरपुर में गैस लीक से लगी आग, तीन झुलसेः 16 वर्षीय किशोरी गंभीर, अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में मंगलवार शाम गैस सिलेंडर लीक होने से आग लग गई, जिसमें तीन लोग झुलस गए। इस हादसे में 16 वर्षीय एक किशोरी गंभीर रूप से घायल हुई है, जबकि दो अन्य युवकों को भी चोटें आई हैं। तीनों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, नौगांव थाना क्षेत्र के सुकुआ निवासी राधा (16) पुत्री अखिलेश पटेल ग्राम उमरिया में अपने रिश्तेदारों के यहां थीं। शाम करीब 6 बजे वह घर में गैस चूल्हे पर खाना बना रही थीं। इसी दौरान अचानक गैस सिलेंडर से लीकेज शुरू हो गया और देखते ही देखते आग भड़क उठी। आग की तेज लपटों की चपेट में कमरे में मौजूद उमरैया थाना महाराजपुर निवासी ललित (26) पुत्र शंकर पटेल और खजुआ थाना राजनगर निवासी कृष्णा (20) पुत्र देवीदीन पटेल भी आ गए।

पाकिस्तानी क्रिकेटर फखर जमान ने संन्यास की खबरों को नकारा रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में दो मुकाबलों का बैन झेल रहे पाकिस्तानी बल्लेबाज फखर जमान ने उन खबरों का खंडन किया है, जिसमें कहा जा रहा था कि वह टी20 अंतरराष्ट्रीय किकेट से संन्यास ले लेंगे, क्योंकि फखर अमेरिका में बसने पर विचार कर रहे हैं। फखर पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में 29 मार्च को लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेले गए मैच के दौरान बॉल टैंपरिंग के आरोपों के चलते दो मैचों का बैन झेल रहे हैं। उन्होंने मैच रेफरी रोशन महानामा के सामने इन आरोपों को पूरी तरह से गलत बताया था। मैच रेफरी ने उनकी सफाई को मानने से इनकार कर दिया, जिसके बाद पीसीबी की तीन सदस्यों वाली एक समिति ने सुनवाई के बाद उन पर लगे बैन को बरकरार रखा। सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें और दावे किए जा रहे थे कि फखर जमान ने अपने परिवार को यूएसए भेज दिया है और वह टी20 अंतरराष्ट्रीय किकेट से संन्यास ले लेंगे। वह फिटनेस से जुड़ी समस्याओं, खासकर हार्मोनल समस्याओं से भी जूझ रहे हैं, जिनकी वजह से उन्हें बार-बार चोटें लगती रहती हैं। किकेटर के करीबी सूत्रों ने मंगलवार को टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट को बताया, फखर संन्यास नहीं ले रहे हैं, और न ही वह पाकिस्तान छोड़ रहे हैं। उन्होंने यह बात पाकिस्तान किकेट बोर्ड और चयन समिति को बता दी है। फखर जमान ने टी20 वर्ल्ड कप में सिर्फ दो मुकाबले खेले, जिसमें 25 और 84 रन बनाए। इन दोनों पारियों में उन्होंने आकामक खेल दिखाया था और फिटनेस से जुड़ी कोई समस्या नजर नहीं आई थी, लेकिन फिटनेस से जुड़ी समस्याओं के कारण उन्हें बांग्लादेश दौरे के लिए वनडे टीम से अपना नाम वापस लेना पड़ा था। इन समस्याओं के सामने आने के बाद फिर से ऐसी खबरें आने लगी थीं कि वह 50 ओवरों के फॉर्मेट पर ध्यान देने के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लेंगे। पाकिस्तान अक्टूबर तक कोई टी20 मैच नहीं खेलेगा। अक्टूबर में वह श्रीलंका की मेजबानी करेगा। वहीं, उनकी अगली वनडे सीरीज इस साल मई-जून में अपने घर पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगी। सूत्रों ने टेलीकॉमएशियाडॉटनेट को बताया, फखर 2028 का टी20 वर्ल्ड कप खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और अपनी फिटनेस पर भी काम कर रहे हैं। इसके अलावा, वह उससे पहले लॉस एंजिल्स ओलंपिक्स में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं, क्योंकि ऐसी संभावना है कि पाकिस्तान को भी भारत के साथ ओलंपिक्स में जगह मिल जाएगी।

गुजरात टाइटंस को राहत, दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच खेलेंगे शुभमन गिल

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात टाइटंस (जीटी) के कप्तान शुभमन गिल बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। ओपनिंग पार्टनर बी साई सुदर्शन ने इसकी पुष्टि की है। जीटी और डीसी के बीच यह मुकाबला अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित होगा। मांसपेशियों में खिंचाव के कारण गिल राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ मैच में नहीं उतरे थे। यह मुकाबला जीटी 6 रन से हार गई थी। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुदर्शन ने कहा, शुभमन को कोई दिक्कत नहीं है। वह पूरी तरह ठीक हैं, वह ठीक हो जाएंगे। बिल्कुल, हां (वह ओपनिंग करेंगे)। गुजरात टाइटंस अपने शुरुआती दो मैच गंवा चुकी है। इस टीम को पहले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद उसे राजस्थान रॉयल्स ने 6 रन से हराया।

हालांकि, सुदर्शन ने टीम की वापसी करने की क्षमता पर भरोसा जताया है, खासकर टीम के मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाजों पर। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह दोनों का मिला-जुला रूप है, ओपनिंग बल्लेबाजों और टॉप-3 बल्लेबाजों के तौर पर, अगर कोई बल्लेबाज ज्यादा देर तक खेलता है, तो यह टीम के लिए हमेशा एक अच्छी बात होती है। मुझे लगता है कि हमें अपने मिडिल ऑर्डर पर भरोसा है, वे जरूर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। यह वही टीम है जिसके साथ पिछले साल खेला था।

उन्होंने कहा, अभी सिर्फ दो मैच खेले गए हैं। मेरा और पूरी टीम का मानना है कि हमारा मिडिल ऑर्डर जरूर शानदार प्रदर्शन करेगा और हम मैच जीतेंगे। आईपीएल एक ऐसा टूर्नामेंट है, जहां दो-तीन दिनों के अंदर लगातार मैच खेलने होते हैं, इसलिए इस टूर्नामेंट में मोमेंटम बनाए रखना सबसे जरूरी चीजों में से एक है।

पिछले दो मुकाबलों में हार पर सुदर्शन ने कहा, हां, हम इन दो मुकाबलों पर नजर डालते हैं और हमने इनसे बहुत कुछ सीखा है। मुझे लगता है कि हम आगे भी ऐसा ही करने की कोशिश करेंगे, ताकि हमें अपनी पहली जीत मिल सके और हम अपनी जीत की लय वापस हासिल कर सकें।

एफसी बायर्न म्यूनिख ने रियल मैड्रिड को 2-1 से हराया

मैड्रिड , एजेंसी। एफसी बायर्न म्यूनिख ने रियल मैड्रिड को चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की दिशा में मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। बायर्न के लिए लुइस डियाज और हैरी केन ने गोल किए, जबकि मैड्रिड की ओर से किलियन म्बाप्पे ने एकमात्र गोल दागा। मैच में बायर्न ने कई मौके बनाए और टीम को महसूस होगा कि वह बड़े अंतर से जीत सकती थी। मैड्रिड के कोच अल्वारो अर्बेलोआ ने युवा मिडफील्डर थियागो पिटार्च को मौका दिया, जबकि ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड और अल्वारो कैरेरास को फुलबैक के रूप में उतारा। वहीं बायर्न को केन की फिटनेस से बड़ी मजबूती मिली।

मैच की शुरुआत में बायर्न को केन के शुरुआत करने के लिए फिट होने से बढ़ावा मिला। केन ने तुरंत असर डाला, लेकिन डेयोट उपामेकानो मौका नहीं भुना सके। एक फ्री किक को डेयोट उपामेकानो की तरफ हेड किया, लेकिन उन्होंने यह मौका गंवा दिया।

इसके बाद मैड्रिड ने पलटवार किए, जहां मैनुअल न्यूएर ने शानदार बचाव करते हुए एम्बाप्पे और विनीसियस जूनियर को गोल करने से रोका।

पहला गोल 40वें मिनट में आया, जब डियाज ने बेहतरीन मूव के बाद बायर्न को बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही केन ने शानदार शॉट लगाकर स्कोर 2-0 कर दिया।

मैड्रिड ने वापसी की कोशिश की और 72वें मिनट में जूड बेलिंगहैम को उतारा गया। इसके बाद एम्बाप्पे ने 74वें मिनट में गोल कर अंतर कम किया।

आखिरी मिनटों में दोनों टीमों ने मौके बनाए, लेकिन कोई भी टीम गोल करने में कामायबी हासिल नहीं कर सकी। जमाल मुसियाला समेत बायर्न के कई खिलाड़ियों ने मौके गंवाए, जिससे टीम की बढ़त और बड़ी नहीं हो सकी। हालांकि, इस जीत के साथ बायर्न म्यूनिख ने पहले लेग में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली है और अब टीम सेमीफाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंच गई है।

मोंटे कार्लो ओपनर में हम्बर्ट पर सिनर की आसान जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। मोंटे कार्लो मोंटे-कार्लो मास्टर्स में जैनिक सिनर ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। मंगलवार को सिनर ने ह्यूगो हम्बर्ट को सीधे सेटों में मात देकर तीसरे दौर में जगह बनाई। बिना कोई सेट गंवाए अपनी ऐतिहासिक सनशाइन डबल जीत से वर्ल्ड नंबर-2 खिलाड़ी ने क्ले कोर्ट पर भी अपनी बेहतरीन फॉर्म जारी रखी और मोनाको में 6-3, 6-0 से शानदार जीत हासिल की।

यह इतालवी खिलाड़ी इस हफ्ते न केवल क्ले कोर्ट पर अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने का लक्ष्य बना रहा है, बल्कि मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज से रैंकिंग में शीर्ष स्थान वापस पाने के लिए भी मुकाबला कर रहा है। ह्यूगो हम्बर्ट ने आत्मविश्वास के साथ शुरुआत करते हुए अपने इरादे जाहिर किए और शुरुआती रैली जीती। हालांकि, सिनर ने जल्द ही लय पकड़ ली और अपनी खास बेसलाइन पावर और सटीकता के साथ खेल पर हावी होते हुए पहले सेट पर कब्जा कर लिया।

एक बार बढ़त बनाने के बाद, 24 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने खेल का स्तर और ऊंचा उठाया। उन्होंने पूरे सेट में अपने प्रतिद्वंद्वी को केवल छह अंक लेने दिए, जिससे क्ले कोर्ट पर उनकी बादशाहत साबित हुई और वह आसानी से आगे बढ़ गए। इस जीत ने मास्टर्स 1000 स्तर पर उसकी शानदार लय को भी आगे बढ़ाया है, जहां उसने पिछले सीजन से अब तक लगातार 36 सेट जीते हैं। दो बार मोंटे-कार्लो में सेमीफाइनल तक पहुंच चुके जैनिक सिनर अब अपने अगले मुकाबले में फ्रांसिस्को सेरुंडोलो या टोमास माखाच से भिड़ेंगे। वह क्ले कोर्ट पर अपने पहले बड़े खिताब की तलाश में हैं। ड्रॉ के दूसरे हिस्से में कार्लोस अल्काराज मौजूद हैं, जिससे दोनों प्रतिद्वंद्वियों के बीच संभावित फाइनल मुकाबला अभी भी संभव है। दूसरी ओर, माटेओ बेरेटिनी अगले दौर में पहुंच गए, क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट को चोट के कारण मैच के बीच में ही हटना पड़ा। हाल के वर्षों में फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे बेरेटिनी अब दूसरे दौर में सातवीं वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव से भिड़ेंगे। अगर वे यह मैच हारते हैं, तो अप्रैल 2024 के बाद पहली बार वे टॉप-100 रैंकिंग से बाहर हो सकते हैं।

गोल्फ: आंध्र ओपन 2026 के पहले दिन ध्रुव श्योराण एक शॉट की बढ़त के साथ शीर्ष पर

विशाखापत्तनम, एजेंसी। ध्रुव श्योराण ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आंध्र ओपन गोल्फ चैंपियनशिप 2026 के पहले दिन चार अंडर 67 का स्कोर बनाकर बढ़त हासिल कर ली है। यह टूर्नामेंट विशाखापत्तनम के ईस्ट प्वाइंट गोल्फ क्लब (ईपीजीसी) में खेला जा रहा है। 31 वर्षीय ध्रुव ने पार-5 12वें होल पर ईगल और पहले से तीसरे होल तक लगातार तीन बर्डी लगाकर लीडरबोर्ड में शीर्ष स्थान हासिल किया। 12वें होल पर उन्होंने 372 यार्ड का लंबा ड्राइव लगाया और शानदार पुट के साथ ईगल पूरा किया। बेंगलुरु के चिक्कारंगप्पा एस. और खालिन जोशी तीन अंडर 68 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से बने हुए हैं, जो ध्रुव से सिर्फ एक शॉट पीछे हैं।

इस 1 करोड़ रुपये की इनामी राशि वाले टूर्नामेंट में पार-5 सातवें होल को बदलकर 477 यार्ड का पार-4 कर दिया गया है, जिससे कोर्स का कुल पार 71 हो गया है।

गुरुग्राम के ध्रुव फिलहाल पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 11वें स्थान पर हैं। उन्होंने अपनी पारी के बारे में कहा कि 12वें होल पर ईगल के बाद उन्हें अच्छा मोमेंटम मिला। हालांकि अंत में कुछ शॉट्स गंवाने के बावजूद वह अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं।

खालिन जोशी ने भी अपने खेल पर संतोष जताते हुए कहा कि ग्रीन्स को पढ़ना मुश्किल था, लेकिन उन्होंने अच्छी बर्डी बनाई और अगले राउंड्स के लिए उत्साहित हैं।

अंगद चीमा 69 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर संयुक्त रूप से हैं, जबकि सप्तक तलवार 70 के स्कोर के साथ 10वें स्थान पर हैं।

दिन का एक खास आकर्षण नेपाल के सुबाश तमांग का होल-इन-वन रहा, जो उन्होंने 144 यार्ड के पार-3 11वें होल पर किया। तमांग ने भी 70 का स्कोर बनाकर दिन का अंत संयुक्त 10वें स्थान पर किया।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप भारत के 8 मुक्केबाजों ने बनाई फाइनल में जगह

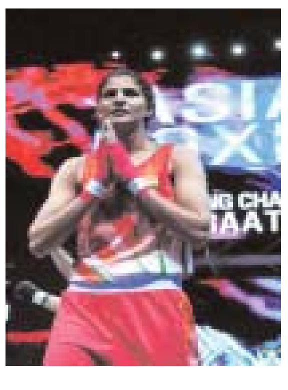

उलानबटार, एजेंसी। एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत ने अपना शानदार अभियान जारी रखा है। भारत के कुल आठ मुक्केबाज (छह महिलाएं और दो पुरुष) फाइनल में पहुंच गए हैं। मंगलवार को महिलाओं के सेमीफाइनल में मीनाक्षी और जैस्मिन ने मोर्चा संभाला, जबकि विश्वनाथ सुरेश और सचिन ने पुरुषों की श्रेणी में दमदार प्रदर्शन करते हुए इस संख्या में और इजाफा किया। अलग-अलग कैटेगरी में आठ फाइनलिस्ट के साथ, भारत इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के आखिरी दिन में मजबूत लय के साथ उतर रहा है। भारतीय मुक्केबाजों वाले अन्य अहम फाइनल मुकाबलों में, प्रीति (54 किलोग्राम) का सामना चीनी ताइपे की हुआंग शियाओ-वेन से होगा, जबकि प्रिया (60 किलोग्राम) का मुकाबला उत्तर कोरिया की उन ग्योंग वोन से होगा। अरुंधति चौधरी (70 किलोग्राम) अपने गोल्ड मेडल मुकाबले में कजाकिस्तान की बकित सेइडिश से भिड़ेंगी। महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में मीनाक्षी ने थाईलैंड की थिप्सत्वा योदवारी पर 4-1 से जीत दर्ज करते हुए गोल्ड मेडल मुकाबले में अपनी जगह सुनिश्चित की। दूसरी ओर, जैस्मिन ने महिलाओं के 57 किलोग्राम वर्ग में उज्बेकिस्तान की निगीना उक्तामोवा को एक कड़े मुकाबले में 3-2 से मात दी। पुरुषों में 50 किलोग्राम वर्ग में विश्वनाथ सुरेश ने शानदार प्रदर्शन किया और जॉर्डन के हुथैफा एशिश को सर्वसम्मत 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। सचिन (60 किलोग्राम) ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले में थाईलैंड के सकदा रुआमथम पर 4-1 से ठोस जीत दर्ज करते हुए सभी को प्रभावित किया।

आईपीएल 2026: अपनी विविधता से बल्लेबाजों को परेशान कर रहे विजयकुमार वैशाख

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) की ओर से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में खेल रहे विजयकुमार वैशाख अपनी तेज रफ्तार गेंदबाजी से कहर बरपा रहे हैं। इस दाएं हाथ के गेंदबाज ने 140-145 किलोमीटर/प्रतिघंटा की रफ्तार के साथ अपनी विविधता से बल्लेबाजों को परेशान किया है। कर्नाटक के विजयकुमार वैशाख अपना चौथा आईपीएल सीजन खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक 19 मुकाबलों में 29.45 की औसत के साथ 22 विकेट हासिल किए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए आईपीएल 2023 में 7 मुकाबलों में 9 विकेट हासिल करने वाले विजयकुमार ने अगले सीजन 4 मुकाबलों में 4 विकेट निकाले। आईपीएल 2025 के लिए पंजाब किंग्स ने इस गेंदबाज को 1.80 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा, मगर चोट के कारण वह सीजन के बड़े हिस्से से बाहर ही रहे। उस सीजन विजयकुमार वैशाख ने 5 ही मैच खेले, जिसमें 4 विकेट निकाले। ...लेकिन आईपीएल 2026 इस गेंदबाज के लिए खास नजर आ रहा है। विजयकुमार वैशाख ने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ पहले मैच में 34 रन देकर 3 विकेट निकाले। उनकी शानदार गेंदबाजी ने टीम की जीत में अहम योगदान दिया। अगले मुकाबले में विजयकुमार ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के विरुद्ध 38 रन देकर 2 विकेट निकाले।

पंजाब किंग्स में शामिल होने के बाद विजयकुमार ने अपनी गेंदबाजी कौशल को निखारा है। वाइड यॉर्कर और स्लो बाउंसर के रूप में उनके तरकश में दो खास हथियार हैं। वह गेंद की गति को अचानक कम करते हुए बल्लेबाजों को परेशान भी करते नजर आए हैं।

घरेलू किकेट में इस गेंदबाज का प्रदर्शन शानदार रहा है। विजयकुमार वैशाख फर्स्ट क्लास करियर के 31 मुकाबलों में 25.14 की औसत के साथ 116 विकेट हासिल कर चुके हैं। इस दौरान 3 बार फाइव विकेट हॉल भी लिया। वहीं, लिस्ट-ए करियर के 29 मुकाबलों में विजयकुमार ने 40 विकेट निकाले हैं। 52 टी20 मुकाबलों में यह गेंदबाज 66 विकेट अपने नाम कर चुका है।

किसी भी खिलाड़ी के साथ अन्याय न हो, उम्र में धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं: मीत हेयर

मुल्लांपुर ,एजेंसी। पंजाब किकेट एसोसिएशन (पीसीए) की तरफ से न्यू चंडीगढ़ स्टेडियम में नवनिर्वाचित मानद सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर की अगुवाई में एक परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई। पंजाब किकेट एसोसिएशन की इस बैठक में पंजाब भर की विभिन्न जिला किकेट एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों और सचिवों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर मीत हेयर ने सभी सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए जमीनी स्तर पर किकेट के विकास के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। मीत हेयर ने जोर देते हुए कहा कि खिलाड़ियों की चयन प्रकिया पारदर्शी और पूरी तरह मेरिट के आधार पर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर किसी भी खिलाड़ी की प्रतिभा के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए और जब खिलाड़ियों को मेरिट के आधार पर अवसर मिलेंगे, तभी बेहतर परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने विभिन्न जिलों में किकेट के विकास से संबंधित चल रहे कार्यों और प्रगति की समीक्षा भी की और राज्य में किकेट ढांचे को मजबूत करने के लिए सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। मीत हेयर ने यह भी कहा कि जिला एसोसिएशनों की तरफ से दिए जाने वाले सुझावों और फीडबैक का स्वागत है और उन पर गंभीरता से विचार करके पंजाब में किकेट के सुव्यवस्थित विकास को सुनिश्चित किया जाएगा। उम्र से संबंधित धोखाधड़ी के मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सचिव ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां आयु-वर्ग किकेट की विश्वसनीयता और निष्पक्षता को प्रभावित करती हैं और योग्य खिलाड़ियों को समान अवसरों से वंचित करती हैं। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि संबंधित जिला किकेट एसोसिएशनों की जिम्मेदारी है कि वे खिलाड़ियों के चयन के दौरान उचित सत्यापन और जांच सुनिश्चित करें। बैठक का समापन एक सकारात्मक माहौल में हुआ, जिसमें राज्य भर के उभरते खिलाड़ियों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा और अवसर उपलब्ध कराने के लिए साझा प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

लालगांव चौकी क्षेत्र में अवैध शराब का खुला खेल! पताई मोड़ बना अड्डा, पुलिस की भूमिका पर उठे गंभीर सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के गढ़ थाना अंतर्गत लालगांव चौकी क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार बेखौफ तरीके से फल-फूल रहा है। खासतौर पर पताई मोड़ इन दिनों अवैध शराब बिक्री का प्रमुख केंद्र बन चुका है, जहां दिन-रात खुलेआम शराब की बिक्री हो रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह पूरा खेल पुलिस की शह पर चल रहा है जिसके चलते कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक इस अवैध कारोबार का संचालन सुधीर उर्फ गोलू तिवारी द्वारा किया जा रहा है जिसने पताई मोड़ पर एक अस्थायी दुकान के जरिए शराब की बिक्री का नेटवर्क खड़ा कर लिया है। बताया जा रहा है कि यहां न केवल देसी बल्कि अंग्रेजी शराब भी बिना किसी लाइसेंस के खुलेआम बेची जा रही है। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे मामले की जानकारी गढ़ पुलिस और लालगांव चौकी को होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि शाम होते ही पताई मोड़ पर शराबियों का जमावड़ा लग जाता है। नशे में धुत लोग सड़क पर उत्पात मचाते हैं जिससे आम नागरिकों का निकलना मुश्किल हो जाता है। खासकर महिलाओं और स्कूल जाने वाली बच्चियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार छेड़छाड़ और अभद्रता की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं लेकिन शिकायत के बावजूद कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस की मिलीभगत के बिना इस तरह का अवैध कारोबार संभव नहीं है लोगों का कहना है कि यदि पुलिस सख्ती दिखाए तो एक दिन में यह अवैध दुकान बंद हो सकती है लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है। इससे साफ जाहिर होता है कि कहीं न कहीं इस पूरे ममले में संरक्षण दिया जा रहा इस मामले को लेकर क्षेत्र में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही अवैध शराब बिक्री पर रोक नहीं लगाई गई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे उनका कहना है कि यह केवल कानून व्यवस्था का मामला नहीं है बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का भी संकेत है जिसे समय रहते रोकना बेहद जरूरी है। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन और पुलिस विभाग इस गंभीर समस्या को कितनी गंभीरता से लेते हैं और कब तक इस अवैध कारोबार पर लगाम लगाई जाती है। फिलहाल पताई मोड़ पर चल रहा यह अवैध शराब का खेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर बिरसा मुंडा कालेज दिव्यगवा में कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के भगवान बिरसा मुंडा कालेज दिव्यगवा में दिनांक 07/04/2026 विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर इस डॉ. बी. पी. सिंह (कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना) के मार्गदर्शन में वृहद कार्यक्रम आयोजित किया गया इस संबंध में डॉ. बी पी सिंह ने बताया की विश्व स्वास्थ्य दिवस प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिन की शुरुआत World Health Organization (WHO) द्वारा वर्ष 1948 में की गई थी इसका उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं पर ध्यान आकर्षित करना है। वर्ष 2026 की थीम ÒTogether for HealthÑ Stand with ScienceÓ है। यह थीम हमें यह संदेश देती है कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमें मिलकर कार्य करना चाहिए और वैज्ञानिक तथ्यों तथा चिकित्सा पर विश्वास रखना चाहिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम डॉ. वियोग सिंह यादव एवं डॉ. नलिनी गुप्ता द्वारा किया गया। जिनका उद्देश्य सभी लोगों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना तथा रोगों की रोकथाम के लिए जागरूकता फैलाना है। विज्ञान स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि नई वैक्सीन, दवाइयों और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से कई बीमारियों का उपचार और नियंत्रण संभव हुआ है। हालांकि आज भी कई चुनौतियाँ मौजूद हैं जैसे गलत जानकारी का प्रसार स्वास्थ्य सेवाओं की असमानता नई बीमारियों का खतरा और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ है। इन चुनौतियों का समाधान तभी संभव है जब हम वैज्ञानिक और प्रमाणित जानकारी पर विश्वास करे नियमित स्वास्थ्य जांच कराएँ स्वच्छता बनाए रखें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएँ अंततः, विश्व स्वास्थ्य दिवस हमें यह सिखाता है कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है यदि हम सभी मिलकर कार्य करें और विज्ञान के साथ खड़े रहें, तो एक स्वस्थ और समृद्ध समाज का निर्माण संभव है।

उमरी गांव में निर्माणाधीन PWD रोड के गुणवत्ताविहीन कार्यो के जांच की युवा कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष उठायी मांग

कलेक्टर एवं संभागायुक्त के नाम एसडीएम रायपुर कर्चुलियान को सौंपा गया ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के रायपुर कर्चुलियान तहसील अंतर्गत उमरी गांव में निर्माणाधीन पीडब्ल्यूडी सड़क का एक और भ्रस्टाचार का मामला सामने आया है जहा पर युवा कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष कृष्णकांत विश्वकर्मा रायपुर कर्चुलियान ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियो के मिलीभगत से ठेकेदार के निर्माण कार्य पर आरोप लगाया है उन्होंने बताया कि ग्राम उमरी से कसिहाई टोला पीडब्ल्यूडी सड़क पहुंच मार्ग में ठेकेदार द्वारा गुणवत्ताविहीन आरसीसी रोड का निर्माण कार्य कराया जा रहा है जिसमें विभागीय मापदंडों के अनुसार सीमेंट, लोहा, बालू और अच्छी गिट्टी नहीं डाली जा रहा जिसकी शिकायत पूर्व में ग्रामीण जनों द्वारा 25/03/26 को कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी रीवा से की गई थी लेकिन आज तक विभाग द्वारा ध्यान नही दिया गया और लगातार ठेकेदार के द्वारा मनमानी तरीके से निर्माण कार्य कराया जा रहा है जिसमे इंजीनियर एसडीओ और कार्यपालन यंत्री की मिलीभगत साबित हो रही है सड़क निर्माण की जांच एवं ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाही नही होने पर युवा कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष सहित आधा कांग्रेस सैकड़ा कार्यकर्ताओ ने कलेक्टर रीवा और संभागायुक्त रीवा के नाम रायपुर कर्चुलियान एसडीएम संजय जैन को ज्ञापन सौंप कर कार्यवाही की मांग की हैठु साथ ही चेतावनी दी गयी यदि जल्द निराकरण नही हुआ समस्त ग्रामवासी निर्माण कार्य रोककर अन्दोलन करेगे बाईट- युवा कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष कृष्णकांत विश्वकर्मा।

माखनलाल विश्वविद्यालय रीवा में स्टेपनी शिक्षकों की होड़ पत्रकारिता पढ़ रहे छात्रों के भविष्य पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पत्रकारिता और मीडिया शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े होने लगे हैं शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए अतिथि व्याख्याताओं के आवेदन आमंत्रित होने के बीच माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के रीवा परिसर में स्टेपनी शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। छात्रों का कहना है कि कई बार योग्य और अनुभवी शिक्षकों की जगह जुगाड़ के सहारे ऐसे लोगों को पढ़ाने का मौका मिल जाता है जिनका वास्तविक अनुभव बेहद सीमित होता है दरअसल विश्वविद्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार पत्रकारिता जनसंचार इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विज्ञापन एवं जनसंपर्क मीडिया प्रबंधन ग्राफिक्स एनीमेशन मल्टीमीडिया सिनेमा अध्ययन भाषा एवं अनुवाद कम्प्यूटर सांख्यिकी डिजिटल जर्नलिज्म न्यू मीडिया फिल्म प्रोडक्शन ऑडियो-वीडियो एडिटिंग पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान सहित कई विषयों के लिए अतिथि व्याख्याताओं से आवेदन मांगे गए हैं। चयन प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों का साक्षात्कार विश्वविद्यालय मुख्यालय भोपाल में आयोजित किया जाएगा और चयनित उम्मीदवारों को एक सेमेस्टर के लिए अस्थायी रूप से कालखंड आधारित मानदेय पर नियुक्त किया जाएगा। योग्यता के तौर पर यूजीसी/एआईसीटीई की निर्धारित अर्हता संबंधित विषय में पीएचडी यूजीसी-नेट अथवा मीडिया या आईटी क्षेत्र में स्नातकोत्तर उपाधि के साथ 10 वर्ष का अनुभव मांगा गया है विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि योग्य उम्मीदवारों के चयन से छात्रों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी और शिक्षण की गुणवत्ता बढ़ेगी लेकिन माखनलाल विश्वविद्यालय के रीवा परिसर में पढ़ रहे कुछ छात्रों और जानकारों का आरोप है कि व्यवहार में कई बार नियमों की अनदेखी कर दी जाती है। बताया जाता है कि कुछ मामलों में ऐसे लोग भी शिक्षक बन गए जिनका अनुभव केवल निजी सोशल मीडिया पेज चलाने या सीमित स्तर पर काम करने तक ही रहा है आरोप है कि कई बार जुगाड़ के जरिए अनुभव को मान्यता दिलाकर नियुक्ति हासिल कर ली जाती है। छात्रों का कहना है कि पत्रकारिता जैसे व्यावहारिक विषय में अनुभवी और सक्रिय पत्रकारों का पद्यढ़ाना बेहद जरूरी है ताकि उन्हें वास्तविक मीडिया जगत की समझ मिल सके। यदि कम अनुभव वाले लोग पढ़ाएंगे तो इसका सीधा असर छात्रों की गुणवत्ता और उनके भविष्य पर पड़ेगा।

विद्युत कंपनियों के पेंशन लाभार्थियों के लिए महंगाई राहत के आदेश जारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश की विद्युत कंपनियों के पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशन धारकों के लिए पुनरीक्षित महंगाई राहत के आदेश मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा जारी कर दिए गए हैं अब पेंशनरों को 6वें वेतनमान में 5 प्रतिशत तथा 7वें वेतनमान के अनुसार 3 प्रतिशत की वृद्धि का लाभ प्राप्त होगा। एम.पी. ट्रांसको के मुख्य अभियंता मानव संसाधन एवं प्रशासन धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि यह आदेश मध्यप्रदेश शासन के ज्ञाप के अनुक्रम में जारी किया गया है जो 01 जनवरी 2026 से प्रभावी होगा इससे प्रदेश की सभी उत्तरवर्ती बिजली कंपनियों के 58943 पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशन धारकों को लाभ प्राप्त होगा तथा इस पर लगभग 468 लाख रुपये प्रतिमाह अतिरिक्त व्यय आयेगा। आदेश के अनुसार सभी पेंशनरों/पारिवारिक पेंशनरों जिनमें मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी के पेंशनरों/परिवार पेंशनरों के साथ-साथ मध्यप्रदेश राज्य विद्युत मंडल से दिनांक 31.05.2005 तक सेवानिवृत्त हुए पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर भी शामिल हैं को 6वें वेतनमान के अनुसार 252 प्रतिशत की जगह 257 प्रतिशत एवं 7वें वेतनमान के अनुसार 55 प्रतिशत की जगह 58 प्रतिशत महंगाई राहत प्रदान की जाएगी यह राहत 80 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु के पेंशनरों को देय अतिरिक्त पेंशन पर भी लागू होगी। महंगाई राहत की गणना पेंशन के उस मूल अंश पर की जाएगी जो समर्पण से पूर्व निर्धारित की गई थी।

क्रिकेट टूनामेंट फाइनल के मुख्य अतिथि जशवंत सिंह कछवाह ने युवाओं को दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के त्योंथर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत डीह में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ हुआ। क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में मुख्य अतिथि रहे युवा कांग्रेस त्योंथर के विधानसभा अध्यक्ष जशवंत सिंह कछवाह ने विजेता व उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच उमरी गोविंदपुरा और मझिगवा की टीमों के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली, जिसमें मझिगवा की टीम ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर शानदार जीत हासिल की और खिताब अपने नाम किया। उपविजेता रही उमरी गोविंदपुरा की टीम ने भी खेल भावना का परिचय देते हुए दर्शकों का दिल जीत लिया। सम्पन के बाद मुख्य अतिथि जसवंत सिंह उपस्थति दर्शकों और खिलाड़ियों को नशे के खिलाफ सपथ दिलाई, साथ ही खिलाड़ियों और क्षेत्र के युवाओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने खेल के साथ-साथ सामाजिक सुधार पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने की भावुक अपील करते हुए कहा, 'युवा शक्ति ही हमारे क्षेत्र और देश का भविष्य है। नशे की लत न केवल शरीर को बल्कि पूरे परिवार और भविष्य को नष्ट कर देती है। युवाओं को चाहिए कि वे अपनी ऊर्जा खेलों और रचनात्मक कार्यों में लगाएं।

' उन्होंने सभी उपस्थित युवाओं को 'नशा मुक्त त्यौंथर' बनाने का संकल्प भी दिलाया। उसके उपरांत विजेता टीम मझिगवा को ट्रॉफी प्रदान करते हुए जशवंत सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया इस अवसर पर उन्होंने आयोजक सुदीप वर्मा एवं आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण स्तर पर ऐसी प्रतियोगिताएं प्रतिभाओं को निखारने का बेहतरीन मंच हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से त्यौंथर न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता शमशुल हक लादेन,अधिवक्ता कुलदीप पाठक,मनोज सिंह,नितिन सिंह बघेल,सिनोज आदिवासी, अनुरेश पाल एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, स्थानीय ग्रामीण और युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जल संरक्षण में स्वयंसेवी संस्थाओं और आमजनों की भागीदारी सुनिश्चित करें : कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया जिसमें विकास योजनाओं और जनहितकारी कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान कमिश्नर ने 'जल गंगा संवर्धन अभियान' पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इसमें स्वयंसेवी संस्थाओं और आम जनता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान के तहत शुरू किए गए जल संरक्षण के अधूरे कार्यों को जल्द पूरा किया जाए और प्रत्येक जिले में कम से कम एक ऐसी नदी का चयन किया जाए जहां संरक्षण और साफ-सफाई के कार्य नियमित रूप से किए जा सकें पेयजल व्यवस्था और कृषि कार्यों की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने निर्देश दिए कि भीषण गर्मी को देखते हुए सभी बसाहटों में पर्याप्त पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए उन्होंने बंद पड़ी नल-जल योजनाओं और हैंडपंपों को चालू करने के लिए निरंतर अभियान चलाने की बात कही। इसके साथ ही, समर्थन मूल्य पर गेहूं और अन्य अनाजों के उपार्जन की तैयारियों को लेकर सभी कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया कि वे उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए छाया, पानी और अन्य आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराएं, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण अभियानों की भी समीक्षा की गई कमिश्नर ने 'संकल्प से समाधान' अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों का दो दिनों के भीतर निराकरण करने के सख्त निर्देश दिए इसके अलावा एचपीवी टीकाकरण कुपोषण नियंत्रण 'स्कूल चलें हम' अभियान पंचायतों द्वारा बिजली बिलों का भुगतान और नामांतरण-बंटवारा जैसे राजस्व प्रकरणों के निपटारे पर भी चर्चा हुई।

रूम पर आ जाओ... रीवा के मॉडल साइंस कॉलेज में टीचर की शर्मनाक हरकत!

अश्लील मैसेज भेजकर छात्रा पर बनाया दबाव जांच में कबूली गलती फिर भी कार्रवाई ठंडी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले कॉलेज में गुरु शिष्य संबंधों को शर्मसार करने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। शहर के पीएमश्री कॉलेज (मॉडल साइंस कॉलेज) में पदस्थ एक शिक्षक पर बीए प्रथम वर्ष की छात्रा को व्हाट्सएप पर अश्लील और आपत्तिजनक संदेश भेजने का आरोप लगा है इस घटना ने न केवल कॉलेज परिसर बल्कि पूरे जिले में आक्रोश की लहर पैदा कर दी है प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी शिक्षक ने छात्रा को लगातार निजी मैसेज भेजते हुए अपनी मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ दीं एक मैसेज में उसने लिखा तुम मुझे अच्छी लगती हो रूम पर आ जाओ जब छात्रा ने इस प्रस्ताव को सख्ती से ठुकराया, तो शिक्षक ने उसे अप्रत्यक्ष रूप से डराने और दबाव बनाने की कोशिश की उसने लिखा मैं नहीं चाहता कि तुम्हें कोई परेशानी हो सोच लो... अगर मन हो तो बता देना इन शब्दों ने छात्रा को मानसिक रूप से झकझोर कर रख दिया लगातार मिल रहे इन अश्लील और आपत्तिजनक संदेशों से परेशान छात्रा ने हिम्मत जुटाते हुए अपने परिजनों को पूरी बात बताई। इसके बाद परिजनों ने कॉलेज प्रबंधन से संपर्क कर लिखित शिकायत दर्ज कराई और व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट साक्ष्य के रूप में सौंपे। मामला सामने आते ही कॉलेज प्रशासन में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में एक जांच समिति का गठन किया गया जांच के दौरान सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि आरोपी शिक्षक ने अपने कृत्य को स्वीकार कर लिया उसने इसे व्यक्तिगत गलती बताते हुए माफी मांग ली लेकिन इसके बावजूद अब तक कॉलेज प्रबंधन द्वारा कोई सख्त या ठोस कार्रवाई नहीं की गई है जिससे पूरे मामले पर सवाल खड़े हो गए हैं छात्रा और उसके परिजनों का आरोप है कि कॉलेज प्रशासन मामले को दबाने की कोशिश कर रहा है उनका कहना है कि यदि समय रहते आरोपी शिक्षक पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई तो यह अन्य छात्राओं के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है उन्होंने शिक्षक को तत्काल निलंबित करने और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है बुधवार को इस मामले को लेकर छात्रा पक्ष ने खुलकर नाराजगी जाहिर की परिजनों का कहना है कि जब खुद आरोपी अपनी गलती मान चुका है तो फिर कार्रवाई में देरी क्यों हो रही है? इस सवाल ने कॉलेज प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर संदेह खड़ा कर दिया है।

डॉ. अम्बेडकर जयंती पर 10 से 14 अप्रैल तक होंगे विभिन्न कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत रत्न और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती 14 अप्रैल को मनाई जाएगी। अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में 10 से 14 अप्रैल तक जिला और विकासखण्ड स्तर पर समारोहपूर्वक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार 10 से 14 अप्रैल तक जिला और विकासखण्ड मुख्यालयों में हितग्राही सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे सभी कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिकों और आमजनों की भागीदारी सुनिश्चित कराएं कार्यक्रमों की रूपरेखा जिले के प्रभारी मंत्री के अनुमोदन से तैयार कराएं डॉ. अम्बेडकर के जीवन, विचारों, देश एवं लोकतंत्र के लिए उनके योगदान तथा संविधान निर्माण उनकी महती भूमिका के संबंध में संगोष्ठियों का आयोजन कराएं सभी आयोजन गरिमापूर्ण हों और कार्यक्रम स्थल में छाया, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।